वर्ष : 17 ❖ अंक : 142 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 27 दिसम्बर 2022

'घरों में धारदार चाकू रखें हिंदू, लव जिहाद का दें जवाब' 3

'वीर बाल दिवस' हमें भारत की पहचान बताएगा : पीएम मोदी 8

सिक्किम के हित के लिए एसडीएफ पार्टी सर्वस्व देने को तैयार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 दिसम्बर । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट अध्यक्ष तथा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने एक बार फिर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के उस बयान पर अपनी नाराजगी जाहिर की है, जिसमें उन्होंने अपने विरोधियों को उन्हें कम न समझने की चेतावनी दी थी। पवन चामलिंग ने इसे यह एक कमजोर एवं असुरक्षित व्यक्ति की झुंझलाहट करार दिया है जो मुख्यमंत्री जैसे गरिमापूर्ण पद के लायक नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने बोडोलैंड में भी मुख्यमंत्री के लोगों की मौजूदगी की बात कहते हुए वहां से राज्य में हथियार एवं गोला-बारूद लाने का सनसनीखेज आरोप भी लगाया है। वहीं मौजूदा एसकेएम सरकार की नाकामियों को दर्शाते हुए उन्होंने उदाहरणों की एक लंबी फेहरिस्त भी दी है।

एसडीएफ के प्रचार महासचिव बिष्णु दुलाल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, पूर्व मुख्यमंत्री का कहा कि मुझे इस लोकतांत्रिक देश में एक भी ऐसा राज्य दिखाइये, जहां मुख्यमंत्री इस प्रकार खुले तौर पर और मूर्खतापूर्ण तरीके से लोगों को डराते हैं। दरअसल यह एक ऐसे व्यक्ति का गुस्सा है जो निराश और असुरक्षित है। यह किसी भी तरह से मुख्यमंत्री के गरिमामय पद के योग्य बयान नहीं है। पवन चामलिंग के अनुसार, लोगों को धमकाने के बजाय हमारे मुख्यमंत्री को सिक्किम विरोधी ताकतों को चेतावनी देनी चाहिए। लोगों को धमकी देने की बजाय उन्हें कहना चाहिए कि आम लोगों को कम मत समझो। सिक्किम को कम मत समझो। अगर हमारे मुख्यमंत्री ऐसा कहते तो मैं और हमारी पार्टी उनके साथ खड़े होते।

पवन चामलिंग के अनुसार एसडीएफ पार्टी सिक्किम के हितों के लिए अपना सर्वस्व देने को तैयार है। मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सिक्किम और यहां के लोगों की रक्षा करना है, उन्हें डराना नहीं। लेकिन जब मुख्यमंत्री मूर्खतापूर्ण तरीके से राज्यवासियों को 'गोले की टीम' दिखाकर धमकाते हैं, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। पवन चामलिंग के अनुसार सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि मुख्यमंत्री हिंसक मानसिकता में हैं और उसकी बातों से पता चलता है कि वह मानसिक रूप से संतुलित भी नहीं हैं। वह केवल बाहुबल और धनबल को ही पहचानते हैं। दरअसल उनके लिए बेहतर यही होगा कि वह यह समझ लें कि वह केवल एक मामूली स्वघोषित तानाशाह हैं। ऐसे कई तानाशाह आए और चले गए लेकिन आमलोगों की शक्ति का सामना कोई भी नहीं कर सकता।

पवन चामलिंग ने आगे कहा कि एसकेएम पार्टी को वोट देने वाले सिक्किमवासियों ने कभी नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपने ही मुख्यमंत्री से खतरा होगा और राज्य को अपने ही मुख्यमंत्री और उनकी टीम से बचाने की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में अब वे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और राज्य को गोले की टीम के चंगुल से वापस लाना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि एसडीएफ पार्टी सिक्किम के लोगों की मदद हेतु उनके साथ है।

वहीं एसडीएफ अध्यक्ष ने यह भी कहा कि हमने पिछले कुछ वर्षों में गोली की तथाकथित टीम की जांच कर पता लगाया है कि उनकी टीम में कौन-कौन हैं और उन्होंने क्या हासिल किया है। उन्होंने कहा, उनकी टीम में ऐसे सदस्य हैं जो सिक्किम के बाहर से हैं और पूरी एसकेएम पार्टी और सरकार के कामकाज को नियंत्रित करते हैं। वहीं एसकेएम के गंगटोक सीएलसी अध्यक्ष भी एक गैर-सिक्किमी व्यक्ति हैं। ऐसे में मैं केंद्र सरकार से उनकी पहचान की जांच करने का अनुरोध करता हूं।

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि सीएम गोले की टीम के कुछ सदस्यों ने सिक्किम के वाणिज्य और राजनीतिक सत्ता को अपने नियंत्रण में लेकर एक के बाद एक राज्य की संपत्ति हड़प रहे हैं। हालांकि उन्हें पता होना चाहिए कि राज्यवासियों को हिसाब देने का समय अब दूर नहीं है। इसके अलावा पवन चामलिंग ने सीएम गोले की टीम में बोडोलैंड के लोगों के भी होने की आशंका जतायी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने हाल ही में बोडोलैंड की तीन यात्राएं कीं हैं। ऐसी संभावना है कि वह अपने काफिले का इस्तेमाल वहां से हथियार और गोला-बारूद आयात करने के लिए भी कर रहे हों।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने एसकेएम सरकार के कार्यकाल में राज्य में हुए कई वारदातों एवं घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, एसकेएम द्वारा सिक्किमवासियों को डराने, ब्लैकमेल करने, प्रताड़ित करने और धमकाने हेतु सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने के सैकड़ों मामले

हैं। ऐसे में 2024 में जब एसडीएफ की सरकार बनेगी तो इन सभी मामलों की जांच कर दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जायेगा।

सिक्किम नेपाली साहित्य परिषद की कार्यकारी समिति का चुनाव 22 को

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 दिसम्बर । सिक्किम नेपाली साहित्य परिषद की 13वीं कार्यकारी समिति का चुनाव आगामी 22 जनवरी, 2023 को कराया जायेगा। इस सम्बंध में आज यहां हुई चुनाव समिति की बैठक में परिषद की नयी कार्यकारिणी के गठन को लेकर चुनाव प्रक्रिया को जनवरी के पहले सप्ताह से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

जानकारी के अनुसार गत 18 दिसंबर को हुई परिषद की वार्षिक आम बैठक में निवर्तमान 12वीं कार्यकारिणी समिति का कार्यकाल पूरा होने के कारण चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस वार्षिक बैठक में डॉ. पारसमणि दंगरल को मुख्य चुनाव आयुक्त और बिमल काफले (सदस्य) और विष्णु न्योपाने (सदस्य सचिव) को सहायक आयुक्त नियुक्त किया गया था। उसके बाद ही आज चुनाव समिति की पहली बैठक आयोजित की गई थी।

आज हुई चुनाव समिति की बैठक में कहा गया है कि चुनाव प्रक्रिया छह जनवरी से शुरू होकर 22 जनवरी को समाप्त होगी। छह जनवरी को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा और नौ जनवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ ही आचार संहिता लागू हो जाएगी। बैठक में यह भी कहा गया है कि नामांकन पत्र भरने की तिथि अधिसूचना के दिन से 14 जनवरी तक होगी। नामांकन पत्र नेपाली साहित्य परिषद के कार्यालय से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं 16 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 17 जनवरी के दोपहर 12 बजे तक नाम वापस लिये जा सकते हैं।

परिषद के अनुसार प्रत्याशियों की अंतिम सूची 17 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी और यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 22 जनवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। मतगणना उसी दिन अपराह्न 3 बजे शुरू होगी और चुनावी नतीजे भी घोषित कर दिये जायेंगे।

राज्यपाल ने वीर साहिबजादों को दी श्रद्धांजलि

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 दिसम्बर । आज मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल में साहिबजादों की कुर्बानी पर समर्पित पहला 'वीर बाल दिवस' के ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

9 जनवरी 2022 को श्री गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन, प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे की शहादत को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 26 दिसंबर के दिन को 'वीर बाल दिवस' के तौर पर घोषित किया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर बाबा जोरावर सिंह जी व बाबा फतेह सिंह जी के धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए पूरा देश श्रद्धा से 'वीर बाल दिवस' मना रहा है। दिल्ली में करीब तीन हजार बच्चों ने मार्च-पोस्ट किया व बाल कीर्तनियों द्वारा शबद गायन किया गया।

अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, साहिबजादों ने इतना बड़ा बलिदान और त्याग किया, अपना जीवन न्यौछावर कर दिया, लेकिन इतनी बड़ी 'शौर्यगाथा' को भुला दिया गया। लेकिन अब 'नया भारत' दशकों पहले हुई एक पुरानी भूल को सुधार रहा है।

हम आजादी के 'अमृत महोत्सव' में देश के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। स्वाधीनता सेनानियों, वीरांगनाओं, आदिवासी समाज के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम काम कर रहे हैं।

इस ऐतिहासिक अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, राष्ट्र, धर्म और मानवता की रक्षा करते हुए प्राणों को न्योछावर करने वाले गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों एवं माता गुजरी जी के सर्वोच्च बलिदान प्रति समर्पित 'वीर बाल दिवस' पर उन्हें शत शत नमन। वीरतापूर्वक धर्म की रक्षा करने के लिए उनकी धैर्य और शौर्य की गाथा 'वीर बाल दिवस' हमें सदा प्रोत्साहित करता रहेगा।

जलविद्युत परियोजना के लिए खुदाई की निगरानी करने की मांग

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 26 दिसम्बर । गेजिंग-लिंगचोम रोड में तिक्जेक भिर छांगा परिसर के निकट 96 मेगावॉट की जलविद्युत परियोजना के निर्माण हेतु खुदाई की गई गैस सुरंग वर्तमान में बहुत खतरनाक स्थिति में है। ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी भी समय यहां कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ऐसे में उनलोगों ने प्रशासन से इस जगह की निगरानी करने की मांग की है।

गौरतलब है कि मुख्य रूप से 96 मेगावॉट की जलविद्युत परियोजना के निर्माण हेतु गैमन कम्पनी ने कोस्टल पावर कम्पनी को इस परियोजना का काम शुरू करने की अनुमति दी थी। इसके तहत

2016 में सड़क के किनारे पांच सौ फीट से ज्यादा गहरी यह खाई खोदी गई है। कम्पनी ने इस गैस टनल को यहां काफी लंबी टनल के साथ बनाया है, लेकिन इतनी लंबी गहरी टनल अब खतरा बन गई है। टनल की चाहरदीवारी अब पूरी तरह से टूट चुकी है जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना हो सकती है।

हालांकि यह विकास के लिए बनी परियोजना है, लेकिन अब यह जगह खाली नजर आती है। लेकिन निर्माण कम्पनी द्वारा इसका कार्य आधा-अधूरा ही छोड़ दिया गया है। वर्तमान में इलाके के कुछ नागरिक यहां पत्थर तोड़ कर अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं। वहीं कई बच्चे और छात्र भी यहां आकर खेलते हैं। लेकिन इस गड्ढे में फेंसिंग नहीं होने से वहां दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। ऐसे में ग्रामीणों ने प्रशासन से इसकी निगरानी कर समाधान निकालने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन की ओर से इसका समाधान नहीं हुआ तो वे इस मुद्दे पर आंदोलन करेंगे।

बोम्मई दे रहे भड़काऊ बयान, सांप्रदायिक मामलों के पीड़ितों को मुआवजा देने में हो रहा भेदभाव : सिद्धारमैया

बेंगलुरु, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कर्नाटक विधानसभा में शून्यकाल के दौरान मोरल पुलिसिंग के मुद्दे पर चर्चा करते हुए यह आरोप लगाया। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया ने चकित होते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ही भड़काऊ बयान देंगे तो नैतिक पहरेदारी (मोरल पुलिसिंग) कैसे रुकेगी। इस दौरान राज्य के पूर्व सीएम ने यह आरोप भी लगाया कि मुख्यमंत्री बोम्मई सांप्रदायिक घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा देने में भी भेदभाव कर रहे हैं।

चर्चा के दौरान कर्नाटक में मोरल पुलिसिंग के बढ़ते मामलों के सांप्रदायिक द्वेष का रूप लेने पर चिंता जाहिर करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य के तटीय इलाकों में हुई हत्याओं का भी जिक्र किया। इससे पहले, विधानसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री यू टी खादर ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कन्नड जिले के सुरतकल शहर में शुक्रवार रात 45 वर्षीय एक मुस्लिम व्यक्ति की हत्या हुई थी। उस हत्याकांड का संबंध नैतिक पहरेदारी(मोरल पुलिसिंग) से हैं।

विधानसभा में मोरल पुलिसिंग की घटनाओं पर चर्चा क दौरान उन्होंने बजरंग दल को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि नैतिक पहरेदारी अधिकतर दक्षिणपंथी संगठन बजरंग दल द्वारा की जा रही है। इस दौरान उन्होंने यह दावा भी किया कि जब भी मुख्यमंत्री दक्षिण कन्नड में मंगलुरु जाते हैं उसके बाद वहां हत्या होती है। इस दौरान उन्होंने सवाल किया कि जब नैतिक पहरेदारी का समर्थन किया जाएगा तो पुलिस और कानून की क्या जरूरत रह जाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब सिद्धारमैया ने नैतिक पहरेदारी (मोरल पुलिसिंग) को लेकर सरकार के खिलाफ हल्ला बोला हो, इससे पहले हाल ही में उन्होंने कहा था कि दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही नैतिक पहरेदारी (मोरल पुलिसिंग) को सीएम प्रोत्साहित कर रहे हैं जिसके कारण यह मंगलुरु शहर और उसके बाहरी इलाकों में बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में दक्षिण कन्नड़ में नैतिक पहरेदारी की आठ घटनाएं सामने आई हैं। असामाजिक तत्वों द्वारा इस तरह के कृत्य की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि नैतिक पहरेदारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सिद्दारमैया के आरोपों पर बोम्मई सरकार के मंत्री ने भी पलटवार किया। कर्नाटक के विधि और संसदीय मामलों के मंत्री जे सी मधुस्वामी ने विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि पुलिस मामलों के आधार पर उचित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करती है। उन्होंने कहा कि जब मुआवजे की बात आती है तो हम अपराधियों को मुआवजा नहीं दे सकते। पीड़ित अलग होता है और अपराधी अलग। अगर कोई पीड़ित है तो सरकार उसे मुआवजा देती है, लेकिन कोई विभिन्न अपराधों में संलिप्त है तो उसे मुआवजा नहीं दिया जा सकता। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अगर अपराध होगा तो पुलिस कार्रवाई करेगी, हमने कभी किसी नैतिक पहरेदारी का समर्थन नहीं किया है।

सलमान खुर्शीद ने राहुल की तुलना भगवान राम से की, बोले- जहां वे नहीं पहुंचते, हम खड़ाऊ लेकर जाते हैं

अमरोहा, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। अमरोहा के गजरौला में कांग्रेस नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि कांग्रेस पर देश के बंटवारे का आरोप वह पार्टी लगा रही है, जिसके किसी भी नेता ने देश की आजादी के लिए एक डंडा तक नहीं खाया। हमको हर हाल में आजादी चाहिए थी, इसलिए दुखी मन से विभाजन का निर्णय स्वीकार करना पड़ा।

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भारत जोड़ो यात्रा कर रहे सांसद राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से की। उन्होंने कहा कि भगवान राम की खड़ाऊ बहुत दूर तक जाती हैं। कभी-कभी जब कहीं नहीं पहुंच पाते हैं तो भरत उनकी खड़ाऊ लेकर उन स्थानों पर जाते हैं। इसी तरह उनके खड़ाऊ लेकर हम यूपी में आए हैं। अब वह खड़ाऊ यूपी में आ गए हैं तो राम जी (राहुल गांधी) भी आएंगे।

उन्होंने आगे कहा, ''राहुल गांधी महामानव हैं। जहां सर्दी में हम लोग जमे जा रहे हैं और जैकेट पहन रहे हैं, वहीं वह टी-शर्ट पहनकर (भारत जोड़ो यात्रा में) चल रहे हैं। वह एक योगी की तरह ध्यान लगाकर तपस्या कर रहे हैं।''

पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी सोमवार को गजरौला पहुंचे।उन्होंने हसनपुर मार्ग पर एक मैरिज हाल में प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि कांग्रेस पर देश के बंटवारा करने का आरोप वह पार्टी लगा रही है, जिसके किसी नेता ने अंग्रेजों से लड़ने और देश को आजाद कराने के लिए एक डंडा तक नहीं खाया। और तो और 25 साल तक देश के राष्ट्रीय ध्वज को फहराने से परहेज किया।

हमको देश के विभाजन का दुख है, लेकिन किसी भी हालत में आजादी चाहिए थी। इसलिए मजबूरी में बंटवारे को मंजूर करना पड़ा। पूर्व विदेश मंत्री ने भाजपा पर देश के लोगों का मन बांटने का आरोप लगाया। कहा कि जब देश के लोगों को जाति, समाज और समूह में बांट दिया जाएगा तो देश एक कहां रह जाएगा, जबकि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती है।

हमारे नेता राहुल गांधी इसी मकसद से भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। जिसको पूरे देश में अपार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी देश भक्त है, वह कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ रहा है। पांच जनवरी को उनकी यात्रा प्रदेश में लोनी से होकर हरियाणा में प्रवेश करेगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया, सतीश शर्मा, सुखराज सिंह, श्री राम मौर्य, सचिन चौधरी, अशरफ अली वारसी, ओम प्रकाश पवार, फैज आलम राइनी आदि मौजूद रहे।

वर्ष 2023 में काशी और मथुरा विवाद के भी सुलझने के आसार

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। पिछले कई दशकों से भारत की राजनीति को प्रभावित करने और गरमाये रखने वाले अयोध्या, काशी और मथुरा के लिहाज से आने वाला नया वर्ष 2023 काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य जोर-शोर से जारी है तो वहीं काशी के ज्ञानवापी और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मसला अदालत की चौखट पर पहुंचने के बाद इन दोनों विवादों का भी जल्द समाधान होने की संभावना बढ़ गई है।

भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और प्राचीन गौरव से जुड़े इन तीनों मुद्दों के लिहाज से आने वाला नया वर्ष 2023 काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

आपको याद दिला दें कि, 90 के दशक में अयोध्या, काशी और मथुरा के मुद्दे ने देश के राजनीतिक और सामाजिक माहौल को पूरी तरह से बदल कर रख दिया था। इन तीनों मसले में से एक- अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण को भाजपा ने अपने घोषणापत्र में शामिल कर अन्य राजनीतिक दलों को ऐसे दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया था जिससे वो आज तक उबर नहीं पाए हैं।

वर्ष 1989 में हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी की अध्यक्षता में हुई पार्टी के अधिवेशन में यह फैसला किया गया कि भाजपा राम जन्मभूमि आंदोलन का खुल कर समर्थन करेगी। इससे पहले विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए चलाए जा रहे आंदोलन की अगुवाई कर रही थी।

भाजपा के इस फैसले के बाद देश की राजनीतिक दशा और दिशा तेजी से बदलने लगी। भाजपा की राजनीतिक ताकत में इजाफा होने लगा तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा के खिलाफ अन्य राजनीतिक दलों की गोलबंदी भी तेज हो गई।

राम मंदिर आंदोलन को चलाने के कारण एक समय पर अकाली दल और शिवसेना को छोड़ कर देश के सभी बड़े राजनीतिक दलों ने मिलकर भाजपा को देश की राजनीति में अछूत तक बना दिया था और इसी आंदोलन की वजह से आज भाजपा देश की राजनीति के शीर्ष पर है। न केवल शीर्ष पर है बल्कि भाजपा ने अब देश की राजनीति को भी पूरी तरह से बदल दिया है।

हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि राम जन्मभूमि विवाद का समाधान बातचीत या राजनीतिक पहल की वजह से नहीं बल्कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ही संभव हो पाया। वर्ष 2019 में अयोध्या विवाद पर फैसला सुना कर सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर निर्माण का रास्ता कानूनी रूप से साफ कर दिया।

वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भूमि पूजन करने के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू हो गया और अब यह दावा किया जा रहा है कि अगले वर्ष यानी 2023 के अंत तक श्रद्धालु भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन कर पाएंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने हाल ही में यह दावा किया था कि दिसंबर 2023 तक अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्रथम तल का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और सूर्य के उत्तरायण होते ही शुभ मुहूर्त में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

काशी के ज्ञानवापी और मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मसला अदालत की चौखट पर पहुंचने के बाद यह माना जा रहा है कि अयोध्या की तरह इन दोनों मसलों का समाधान भी अब अदालत के जरिए ही होने जा रहा है। मथुरा की स्थानीय अदालत ने 24 दिसंबर को काशी के ज्ञानवापी की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि का सर्वे कराकर और नक्शा बनाकर अदालत में पेश करने का निर्देश दिया।

मथुरा की अदालत के निर्देश का स्वागत करते हुए विश्व हिंदू परिषद के कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने इस विवाद के समाधान की उम्मीद जताते हुए कहा कि इस सर्वे से सच सामने आ जाएगा और इससे अदालत को भी सही फैसला सुनाने में आसानी होगी। विहिप नेता ने काशी और मथुरा दोनों ही मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मथुरा के न्यायालय ने यह आदेश दिया है कि कृष्ण जन्म-स्थान का सर्वे कराया जाए, नक्शा बनाया जाए और अगली तारीख पर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

ऐसा ही आदेश वाराणसी में भी हुआ था। उसको इंतजामिया कमेटी ने चुनौती दी थी। हाई में उनकी चुनौती निरस्त हो गई जिसके बाद इंतजामिया कमेटी सुप्रीम कोर्ट गई लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी सर्वे को रोका नहीं, और सर्वे हो गया।

विश्व हिंदू परिषद के कार्याध्यक्ष ने काशी की तरह ही मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भी सर्वे संपन्न हो जाने की उम्मीद जताते हुए कहा कि सर्वे से सच सामने आ जायेगा और उन्हें विश्वास है कि इस सर्वे से न्यायालय के लिए उचित निर्णय करना संभव हो पाएगा।

यह कहा जा रहा है कि अयोध्या विवाद को लेकर कई दशकों तक चली कानूनी लड़ाई और देश में बने सांप्रदायिक तनाव के माहौल से सबक लेते हुए इस बार अदालत और सरकार दोनों ही सावधानीपूर्वक फूंक-फूंक कर ठोस कदम उठा रही है।

ऐसे में यह भी कहा जा रहा है कि अयोध्या की तरह काशी और मथुरा का मामला अब दशकों तक तारीख पर तारीख के मकड़जाल में उलझेगा नहीं और इस लिहाज से 2023 का साल काशी और मथुरा को लेकर चल रही अदालती लड़ाई के समाधान के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

Gram Prashasan Kendra

15-Yangten Gram Panchayat Unit
West Sikkim

Memo No. 64/NIT-Yangtey/GPK Date: 20/12/2022

NOTICE INVITING TENDER

For and on behalf o the Government of Sikkim, Sealed tenders in percentage basis are invited for the works mentioned below from the appropriate Class (IV Grade) of registered contractors enlisted under Sikkim Public Works Department, **Vide notification No.: 66/R&B/PWD/Sec dated: 18/01/2021** through competitive bidding within the jurisdiction of Lower Yangtey Ward no 2 under 15 Yangtey GPU under 02 Yangthang Constituency, Gyalshing, Sikkim where the work is to be executed to reach the office of Gram Prashasan Kendra 15 Yangtey GPU, Yangthang Constituency. The work details are given below:

Sl. No.	Name of Work	Name of GPU/Ward	Estimated Cost	TDR@2.5%	B.R. towards cost of tender document	Completion Time
1.	Construction of 3 R/S/B at Govt. Primary School Kabithang under Yangthang Constituency in Gyalshing District.	15 Yangtey GPU, Lower Yangtey Ward no 2	Civil Works : ₹ 33,80,821/- Electrification : ₹ 3,20,000/- Total: ₹ 37,00,821/-	₹ 92,520/-	₹ 2500/-	18 months

Time Schedule:

1. Cost of Tender dorm Rs. 2500/- each, Non-Refundable against head of **GP Internal revenue Receipt Account No.: 2812201240202094/Internal Account/13 Yangtey GPU/SBS/Gyz**
2. Issue of Tender form on : 04/01/2022
3. Submission of Tender form : 06/01/2022 at 1.30 PM
4. Date of tender & Opening of tender document as on 06/01/2022 at 2 pm.

General Condition of Contract:

1. The Intending Contractors should apply in writing for the issue of tender Documents. The application should invariably be signed by the contractors himself/herself. The tender documents will not be issued to the person other than the **INTENDING TENDERS/ CONTRACTORS.** The application shall be submitted for the work listed above with all the required documents enclosed.
2. Tender is open only to the eligible Contractors of the appropriate Class within the Gram Panchayat Unit-Ward.
3. The Intending Tenderers/Contractors are requested t obtain the bank receipt towards the cost of tender form (Non-Refundable), as indicated in the above table and deposit the amount under **2812201240202094/Internal Account/13 Yangtey GPU/SBS/Gyz.**
4. The application for issue of tender form shall be enclosed with the Bank Receipt towards the cost of tender documents as specified above the attested copies of (a) Latest GST registration Certified (b) Attested copy of COI (c) Validated/Updated copy of Contractor Enlistment Certificate (d) PAN Card (e) Aadhar Card copy.
5. The prescribed non Transferable Tender document (Excluding the Tender Form) can be obtained during the period specified above from the **15 Yangtey GPU** towards the cost of tender document (Non-Refundable).
6. Earnest Money (E.M.) 2.5% duly deposited in State Bank of Sikkim shall be in the form of T.D.R. in favor of **Sr. Accounts Officer, Education Department, Government of Sikkim, Tikjuk, Gyalshing, Sikkim.** Tender form will be issued only on the production of the TDR. As prescribed to those who have obtained the tender Documents. Women Contractors are exempted from depositing 2.5% TDR as per Notification No. 104/R&B dated 08/10/2020. As per notification, in such case of tender being accepted, the lowest bidder within (enlisted women contractor) has to deposit the earnest money at the rate of 2.5% of the estimated cost put to tender before the issue of work order.
7. The Tender document including the tender form with the quoted offer should be placed in sealed cover with the name of the tenderer and the name of the work written on it. Supporting documents listed at Sl. No. 4 (a), (b), (c), (d) and (e) above should be enclosed.
8. Sealed Tender may be deposited in the tender box in the Office of **15 Yangtey GPK, Gyalshing District.** Sikkim on the date and within the time indicated above.
9. Tender will be opened by the tender opening committee in presence of the tenders on the date and time indicated.
10. The tenderers should sign on every page of the tender documents as acceptance of the General Directions and Condition of the Contract and other laid down norms. The rate quoted should be both in Figures and in words and should be inclusive of GST. Over writing and correction should be avoided and if it occurs, should be authenticated with initials/Signature of the Tenderer. Incomplete/Conditional Tender shall be rejected forthwith.
11. In case of any discrepancy in rate (s) printed in the schedule o Rates and Quantity issued with the tender documents, the rates as per approved standards Schedule of Rates will be taken as correct. For items outside SOR. The rates shall be as per the technically checked and approved estimate/analysis.
12. The work shall commence within 7 days from the issue of work order and no extension of time shall be granted.
13. The Department reserves the right to alter the quantity and items of the work as well as the total cost of the work during the execution of work.
14. This NIT shall be the part of the Agreement.
15. The Department reserve the right to accept the or reject any or all the tenders without assigning any reason thereof.

Sd/-
Panchayat President
15 Yangten GPU
Gyalshing District

R.O. No. 335/IPR/PUB/Classi/2223,
DT.: 21.12.2022

बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ने फिर दिया विवादित बयान

'घरों में धारदार चाकू रखें हिंदू, लव जिहाद का दें जवाब'

भोपाल, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक बार फिर विवादास्पद बयान दिया है। साध्वी प्रज्ञा ने कहा है कि हिन्दुओं को अपने घरों में चाकुओं को धारदार बनाकर रखना चाहिए। भोपाल की सांसद ने हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या की घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के शिमोगा में यह बयान दिया है।

कल रविवार को हिंदू जागरण वेदिका के दक्षिण क्षेत्र के वार्षिक समारोह में बोलते हुए साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि हिन्दुओं को उन पर और उनकी गरिमा पर हमला करने वालों को जवाब देने का अधिकार है। उन्होंने समुदाय के सदस्यों से अपने घरों में चाकुओं को धारदार रखने को कहा, क्योंकि सभी को अपनी रक्षा करने का अधिकार है।

सांसद ने कहा, अपने घरों में हथियार रखें। यदि और कुछ नहीं है, तो कम से कम उन चाकुओं की ही धार तेज रखें, जिनका इस्तेमाल सब्जियां काटने के लिए किया जाता है... मैं नहीं जानती कि कौन सी स्थिति कब पैदा होगी... हर किसी को आत्मरक्षा का अधिकार है। यदि कोई हमारे घर में घुसकर हम पर हमला करता है, तो उचित जवाब देना हमारा अधिकार है।

साध्वी प्रज्ञा ने आगे कहा कि लव जिहाद, उनकी जिहाद की परंपरा है। यदि कुछ नहीं है, तो वे लव जिहाद करते हैं। यदि वे प्रेम भी करते हैं तो उसमें भी जिहाद करते हैं। हम (हिंदू) भी प्रेम करते हैं। हम भगवान से प्रेम करते हैं, संन्यासी अपने प्रभु से प्रेम करता है। संन्यासी कहते हैं कि ईश्वर की बनाई इस दुनिया में सभी अत्याचारियों और पापियों का अंत करो, अन्यथा प्रेम की सच्ची परिभाषा यहां नहीं बचेगी। तो लव जिहाद में शामिल लोगों को उसी तरह जवाब दो। अपनी बेटियों की रक्षा करो, उन्हें सही मूल्य सिखाओ।

उन्होंने माता-पिता को अपने बच्चों को मिशनरी संस्थानों में नहीं पढ़ाने की सलाह दी और कहा कि ऐसा करके आप अपने लिए वृद्धाश्रमों के द्वार ही खोलेंगे। मिशनरी संस्थानों में पढ़े बच्चे आपके और आपकी संस्कृति के नहीं रहेंगे। वे वृद्धाश्रमों की संस्कृति में पले-बढ़ेंगे और स्वार्थी बन जाएंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि अपने घर में पूजा कीजिए, अपने धर्म और शास्त्रों के बारे में पढ़िए और अपने बच्चों को इनके बारे में बताइए, ताकि बच्चे हमारी संस्कृति और मूल्यों को जान सकें।

नेहरू के उत्तराधिकारियों के भाषण में परेशान गोडसे के समर्थक : सीएम स्टालिन

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के लिए उनकी सराहना की और कहा कि उनके भाषणों ने देश में खलबली मचा दी है। भारत के पहले प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहरलाल नेहरू की प्रशंसा करते हुए एमके स्टालिन ने कहा कि देश को धर्मनिरपेक्षता और समानता जैसे मूल्यों को बनाए रखने के लिए उनके और महात्मा गांधी जैसे नेताओं की जरूरत है।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन चेन्नई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए गोपन्ना द्वारा नेहरू पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन करने के बाद बोल रहे थे। स्टालिन ने कहा, नेहरू एक सच्चे लोकतंत्रवादी थे, संसदीय लोकतंत्र के प्रतीक थे। यही कारण है कि सभी लोकतांत्रिक ताकतें उनकी जय-जयकार करती हैं। आज भले ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं होने दी जा रही है, लेकिन नेहरू ने विरोधी विचारों को बढ़ावा दिया।

स्टालिन ने नेहरु का जिक्र करते हुए कहा, हमें अब नेहरू की याद आ रही है, यहां तक कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी बंद किया जा रहा है। आज की राजनीतिक स्थिति हमें नेहरू का सही मूल्य दिखाती है। जैसे तमिलनाडु को इतने वर्षों के बाद पेरियार, अन्ना और कलैगनार (एम करुणानिधि) की जरूरत है, उसी तरह भारत को संघवाद, भाईचारा, समानता, धर्मनिरपेक्षता स्थापित करने के लिए गांधी और नेहरू की जरूरत है। बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा अभी 9 दिनों के ब्रेक पर है।

राजस्थान में सचिन पायलट और वसुंधरा राजे को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा, वापसी होगी या नहीं?

जयपुर, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। राजस्थान में अगले विधानसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम समय बचा है। अगले साल अंत तक चुनाव होने हैं और प्रमुख राजनीतिक दल अभी से इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। कांग्रेस सत्ता में बने रखने के लिए पूरजोर कोशिशों में लगी है तो बीजेपी वापसी को कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही। लेकिन दोनों ही दलों में आपसी खींचतान भी हावी है। यही कारण है कि शीर्ष नेताओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गरम है। राजस्थान की राजनीति में पिछले चार साल से मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रही रार और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बढ़ती लोकप्रियता अब कांग्रेस आलाकमान तक पहुंच चुकी है। लेकिन क्या पायलट की वापसी होगी? यह सबसे बड़ा सवाल राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में उठ रहा है। साथ ही भारती जनता पार्टी में वसुंधरा राजे की वापसी को लेकर भी चर्चाएं सबसे ज्यादा हैं।

राजस्थान की राजनीतिक कहानी पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की अगली भूमिका को लेकर लगातार अटकलों और सस्पेंस के बीच काफी दिलचस्प हो गई है। वे वापस आएंगे या नहीं? पिछले कई महीनों से यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है। इस सवाल को लेकर नेताओं की अगली भूमिका पर राजनीतिक फुसफुसाहट बनी हुई है जो वर्तमान में केवल विधायक पदों पर काबिज हैं। विधानसभा चुनावों के बाद 2018 में पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था, उनके और 18 अन्य विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ विद्रोह करने के बाद उनके विभागों को छीन लिया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें एक अच्छा पोर्टफोलियो दिए जाने के वादे के साथ पार्टी में वापस लाया गया। तब से, एक संगठन के रूप में कांग्रेस बाद की तारीखें देती रही है, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। कोविड महामारी, अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव, राज्य में बजट आदि के मद्देनजर पायलट के अगले पोर्टफोलियो में देरी हुई है। जब कांग्रेस आलाकमान ने एक बैठक बुलाई थी और 25 सितंबर को सभी सीएलपी सदस्यों को इस मामले पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था, तो गहलोत खेमे के नेताओं ने अन्य स्थान पर एक समानांतर बैठक बुला ली जहां लगभग 91 विधायकों ने अपने इस्तीफे के साथ पार्टी को धमकी दी थी, जो विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी को सौंपे गए थे। इस सारे ड्रामे के बीच यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि क्या पायलट को राज्य का नेतृत्व करने का मौका दिया जाएगा और यह अटकलें आने वाले महीनों में भी बनी रहेगी क्योंकि पायलट खेमा बार-बार अपनी मांगों को सामने लाता रहा है।

केवल कांग्रेस के मामले में ही ऐसा नहीं है, विपक्षी भाजपा को भी राजे को दरकिनार किए जाने के साथ इसी तरह की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राजे के समर्थक भी उन्हें अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि पार्टी आलाकमान ने 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए किसी भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले उनके पोस्टर पार्टी कार्यालय के साथ-साथ उपचुनावों के दौरान भी हटाए गए थे। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने निर्देश दिया था कि पोस्टरों पर सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर ही लगाई जाएगी।

राजे को उपचुनावों के प्रचार और कई सभाओं से भी नदारद देखा गया है। पोस्टरों में राजे की तस्वीरों की वापसी के लिए भाजपा की जनाक्रोश यात्रा एक मंच बन गई। एक बार फिर चर्चा है कि क्या वह वापस आएंगी या उन्हें अलग-थलग रखा जाएगा जैसा कि वह गुजरात चुनावों में थीं। गुजरात में स्टार प्रचारकों की सूची में राजे का नाम नहीं था।

इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि राजे और पायलट चर्चा के बिंदु है। ढेर सारा ड्रामा, एक्शन, सरप्राइस, सस्पेंस, हमला और पलटवार अभी बाकी है। इस बार चर्चा के अन्य ख़वाइंट भी हैं। पायलट और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह

शेखावत के खिलाफ गहलोत द्वारा इस्तेमाल किए गए 'गद्दार', 'निक्कमा', 'नकारा' जैसे अपशब्द राजस्थान में राजनीतिक शब्दजाल बन गए। गहलोत ने शुरूआत में इन शब्दों का इस्तेमाल 2020 में राजनीतिक विद्रोह के दौरान पायलट के खिलाफ किया था। यहां तक कि हाल ही में, गहलोत ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत से पहले पायलट को 'गद्दार' करार दिया था। जब भी मुख्यमंत्री ने पायलट के खिलाफ इन शब्दों का इस्तेमाल किया, तो राजनीतिक पंडितों को इसका अर्थ और संकेत समझने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। हाल ही में, जब गहलोत ने भारत जोड़ो यात्रा से पहले पायलट को लेकर कहा कि 'एक 'गद्दार' मुख्यमंत्री नहीं हो सकता', तो राजनीतिक विशेषज्ञों ने कहा कि यह आलाकमान को सीधा संदेश था कि वह कभी नहीं चाहेंगे कि पायलट शीर्ष पद पर आसीन हों। दरअसल सवाल उठ रहे हैं कि अपनी सधी हुई भाषा के लिए जाने जाने वाले 'गांधीवादी' मुख्यमंत्री ने अपने डिप्टी के खिलाफ इन कठोर शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'इन शब्दों का प्रयोग राजनीतिक शब्दजाल की तरह है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए भी ईआरसीपी मामले में निकम्मा का इस्तेमाल किया है और यह मामला अब आगामी चुनावों में एक राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है।'

पिछले कई महीनों से राजस्थान की राजनीति चर्चा में है और राजनीतिक हलकों में बड़ा सवाल उठाया जा रहा है कि कौन आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा, गहलोत मुख्यमंत्री बने रहेंगे या फिर पूर्व डिप्टी मुख्यमंत्री सचिन पायलट को राज्य का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। क्या 'गद्दार', 'निकम्मा' और 'नकारा' जैसे और शब्द राज्य को हिला देंगे या 2023 के विधानसभा चुनावों में लौट के आएंगे? ये कुछ सवाल हैं जो वर्तमान में राजनीतिक गलियारों में गूंज रहे हैं।

आम लोगों पर महंगाई की मार

मदर डेयरी ने बढ़ाए दूध के दाम, 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा

राजेश अलख

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर । मदर डेयरी ने एक बार फिर से दूध के दामों में बढ़ोतरी की है। बता दें कि कल (27 दिसम्बर) से दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ जाएंगे। हालांकि मदर डेयरी की तरफ से कहा गया है कि गाय के दूध और टोकन वाले दूध कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

बता दें कि मदर डेयरी ने दामों को बढ़ाए जाने के पीछे इनपुट लागत में इजाफा होने का हवाला दिया है। बढ़ोतरी का असर दिल्ली-एनसीआर के बाजार में दूध की कीमतों में दिखेगा। जहां अब मदर डेयरी फुल क्रीम 66 रुपए प्रति लीटर तो टोंड दूध 51 रुपए की जगह 53 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। गौरतलब है कि मदर डेयरी दिल्ली एनसीआर में रोजाना 30 लाख लीटर से अधिक दूध की सप्लाई करता है।

मालूम हो कि साल 2022 में मदर डेयरी ने 5वीं बार दूध के दामों में बढ़ोतरी की है। दिल्ली-एनसीआर में ये कंपनी दूध की एक बड़ी सप्लायर है। ये रोजाना करीब 30 लाख लीटर दूध की सप्लाई करती है।

वहीं दूध के दाम बढ़ाने को लेकर मदर डेयरी ने कहा, कच्चे दूध की कीमतें बढ़ी हैं। इससे पूरे इंडस्ट्री में तनाव है। इसके चलते उपभोक्ताओं पर भी भार कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। हमारी प्रतिबद्धता है कि किसानों को सही कीमतों का भुगतान हो। हम दूध के चुनिंदा प्रकारों के प्राइस को संशोधित करने के लिए विवश हैं। ऐसे में बढ़ी कीमतें दिल्ली एनसीआर में 27 दिसम्बर 2022 से प्रभावी होंगी।

टिम्बुरबुंग कंचन समिति ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

अनुगामिनी का.सं.

सोरेंग, 26 दिसम्बर । सामाजिक संस्था टिम्बुरबुंग कंचन समिति द्वारा अपने स्वर्ण जयंती समारोह का कल यहां भव्य तरीके से आयोजन किया गया। संगठन के प्रमुख पहलवान सुब्बा की अध्यक्षता में हुए इस समारोह में संस्थापक सदस्य पीएल शर्मा और राज्य के खेलकूद विभाग के सलाहकार मेघनाथ सुब्बा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

संगठन की ओर से बताया गया कि स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर 1980 में लोकसभा सदस्य पहलवान सुब्बा, 1972 में संगठन की स्थापना के समय संस्थापक सदस्य रहे पीएल शर्मा के अलावा दो अन्य वरिष्ठ सदस्यों-डम्बर सिंह सुब्बा एवं मनमाया प्रधान का अभिनंदन किया गया। गौरतलब है कि संगठन के प्रमुख स्तंभ माने जाने वाले पहलवान सुब्बा की साहित्य क्षेत्र में कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वहीं पीएल शर्मा ने प्रकाश कोविद द्वारा लिखित उपन्यास 'देवता' को एक नाटक के रूप में मंचन किया है।

संस्था के स्वर्ण जयंती समारोह में काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था के सचिव जीके शर्मा ने स्वर्ण जयंती वर्ष में सदस्यों से 800 रुपये सहयोग राशि देने का सुझाव दिया। वर्तमान में संस्था के सदस्यों के लिए वार्षिक शुल्क के रूप में मात्र 20 रुपये जमा करने की व्यवस्था है।

आस्ट्रेलियाई उच्चायोगों के अधिकारियों ने सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय का किया दौरा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 दिसम्बर । नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग की क्षेत्रीय कांसुलर अधिकारी प्रथम सचिव सुश्री टेरी बकनी और कोलकाता स्थित ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्य दूतावास के कॉरपोरेट सर्विसेज एवं कांसुलर मैनेजर राजीव घोष ने पिछले दिनों सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के सेंट्रल रेफरल अस्पताल का दौरा किया।

इस दौरान, दोनों अधिकारियों ने सीआरएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. योगेश वर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों द्वारा सिक्किम का दौरा करने पर किसी भी आपातकालीन चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता के मामले में अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। इसी के साथ उन्होंने अस्पताल का मुआयना भी किया।

बाद में प्रतिनिधियों ने सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. (लेफ्टिनेंट जनरल) राजेन एस. ग्रेवाल से भी मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान वाइस चांसलर ने सीआरएच और एसएमयू की ओर से राज्य में चिकित्सकीय आवश्यकता वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

CORRECTION OF NAME

I, Tej Gurung, S/o Late C.B. Gurung , resident of Four Seasons building, NamNang Road, Gangtok state that my name has been recorded as Tej Bahadur Gurung in the Passport, voter card and few other documents whereas in my Aadhar card, Pan card, driving licence and bank documents it is recorded as Tej Gurung. As solemnly affirmed vide affidavit executed before the Oath Commissioner, Gangtok, both names being that of one and the same person i.e. myself, I hereby declare that I shall henceforth be known as Tej Gurung for correction in the passport and other documents as well as for all purposes.

CORRECTION OF NAME

I, Sonam Panzom Rosiela, w/o Tej Gurung, resident of Four Seasons building, NamNang Road, Gangtok state that my name has been recorded as Rosiela Gurung in the Passport, voter card and few other documents whereas in my Aadhar card, Pan card and bank documents it is recorded as Sonam Panzom Rosiela. As solemnly affirmed vide affidavit executed before the Oath Commissioner, Gangtok, both names being that of one and the same person i.e. myself, I hereby declare that I shall henceforth be known as Sonam Panzom Rosiela for correction in the passport and other documents as well as for all purposes.

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:26/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 59B 27480
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 27480 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
14461 17188 32603 49838 62678 64342 72197 81599 81677 96093
3rd Prize ₹450/-
1139 1952 2321 2846 2995 4372 6625 7007 9416 9584
4th Prize ₹250/-
0094 3442 3948 4812 4957 5441 5463 6721 9516 9781
5th Prize ₹120/-
0022 0043 0148 0459 0729 0799 0923 1160 1187 1309
1318 1380 1398 1491 1502 1538 1566 1791 1895 1900
2031 2124 2179 2209 2261 2294 2381 2385 2392 2438
2482 2581 2590 2604 2787 2904 2917 3000 3056 3061
3098 3196 3511 3539 3690 3743 3950 4206 4248 4308
4423 4466 4851 4862 5118 5135 5385 5448 5515 5653
5673 5697 5828 6136 6160 6176 6224 6248 6376 6528
6534 6770 6845 7062 7187 7191 7219 7380 7477 7519
7525 7580 7991 8065 8212 8446 8489 8531 8540 8831
9015 9143 9226 9302 9303 9453 9583 9719 9940 9990
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:109 DrawDate on:26/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 79K 67346
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 67346 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12524 17614 31990 46224 62105 71967 81872 95060 95643 98882
3rd Prize ₹450/-
0153 0347 0353 2232 4337 5444 6606 8400 8444 8939
4th Prize ₹250/-
0450 0964 2054 4356 4957 5931 7179 7364 8168 8405
5th Prize ₹120/-
0071 0072 0116 0381 0431 0497 0537 0605 0690 0915
0942 1006 1100 1266 1352 1496 1580 1616 1903 2215
2303 2618 2665 2699 2709 2995 3042 3121 3150 3197
3339 3355 3375 3399 3406 3424 3632 3698 3965 4010
4167 4264 4283 4608 4615 4961 5035 5081 5228 5290
5352 5564 5577 5650 5809 5852 5853 5945 6264 6402
6585 6907 6912 6932 6970 6987 6995 7008 7050 7056
7093 7108 7145 7413 7418 7423 7479 7545 7617 7685
8088 8252 8650 8656 8691 8722 8779 8897 9016 9017
9034 9040 9105 9121 9177 9195 9261 9497 9513 9532
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:209 DrawDate on:26/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 45C 40332
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 40332 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03804 33877 35596 45087 47214 49009 77144 84316 90897 91650
3rd Prize ₹450/-
2810 3501 3770 4116 4462 5331 5856 5907 8973 9850
4th Prize ₹250/-
1627 1678 2390 4395 5091 5232 6589 6623 9340 9847
5th Prize ₹120/-
0019 0048 0117 0344 0447 0613 0641 0770 0878 0901
1054 1186 1229 1323 1356 1611 1645 1733 2093 2100
2113 2130 2380 2411 2453 2557 2738 2843 3063 3139
3143 3226 3256 3420 3528 3597 3908 3971 4145 4283
4335 4452 4507 4511 4701 4936 4957 5123 5277 5348
5434 5540 5820 5879 5896 5962 6149 6381 6497 6514
6523 6527 6741 6816 6916 7056 7226 7430 7568 7669
7854 8089 8174 8187 8285 8387 8419 8430 8505 8653
8669 8994 9203 9299 9383 9385 9417 9468 9556 9567
9621 9688 9739 9755 9760 9783 9883 9897 9911 9973
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:108 DrawDate on:25/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 97B 11164
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 11164 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07555 15398 23561 27967 38613 49702 50323 72962 78880 89276
3rd Prize ₹450/-
0045 1249 4392 4603 6500 7652 7866 8326 9351 9370
4th Prize ₹250/-
0941 1415 2288 3105 3204 3223 4862 6722 6801 9946
5th Prize ₹120/-
0020 0025 0097 0101 0300 0573 0593 0620 0651 0749
0928 0960 1020 1035 1065 1394 1446 1457 1501 1655
1866 1881 1933 1961 1973 2020 2180 2236 2313 2326
2630 2739 2751 2787 2914 3117 3191 3319 3334 3384
3473 3613 3721 3789 3851 4020 4027 4124 4653 4786
4808 4911 4956 5136 5137 5259 5309 5404 5420 5604
5659 5867 5895 5957 5982 6133 6389 6482 6516 6668
6799 7003 7118 7277 7293 7665 7729 7738 8036 8080
8085 8134 8147 8228 8585 8816 8922 8974 8979 9042
9112 9166 9339 9369 9478 9607 9650 9651 9789 9882
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:108 DrawDate on:25/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 79A 49786
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 49786 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16416 22142 25092 25671 26787 32187 45691 92050 96538 98296
3rd Prize ₹450/-
0893 2734 2737 5817 5960 6119 6197 7379 7458 9971
4th Prize ₹250/-
0699 1594 1671 3458 4116 4483 5359 6172 8434 8922
5th Prize ₹120/-
0102 0279 0397 0401 0407 0436 0453 0459 0470 0525
0708 0912 1010 1251 1400 1591 1629 1730 2006 2342
2348 2357 2460 2572 2680 2761 3002 3010 3191 3240
3326 3563 3632 3654 3662 3669 3895 4041 4049 4085
4097 4225 4406 4422 4749 4818 5122 5145 5208 5297
5298 5391 5416 5419 5496 5523 5525 5588 5711 5786
5881 5896 5952 6082 6305 6306 6408 6530 6588 6621
6975 7025 7065 7071 7083 7224 7408 7684 7796 7847
7884 8030 8230 8373 8537 8879 8890 9018 9133 9271
9300 9414 9445 9464 9509 9561 9591 9622 9770 9879
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:208 DrawDate on:25/12/22
1st Prize ₹1 Crore/- 66B 09747
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 09747 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07969 13194 35068 46393 59721 66385 69515 77638 81161 86546
3rd Prize ₹450/-
2999 3104 4225 4719 5569 6429 6653 6771 7586 7963
4th Prize ₹250/-
0211 0223 0793 2629 4411 4606 6496 8149 8540 9363
5th Prize ₹120/-
0012 0372 0586 0628 0707 0778 0831 0849 0912 1006
1089 1124 1167 1182 1197 1482 1563 1593 1730 2030
2052 2134 2216 2247 2380 2407 2408 2427 2516 2618
2641 2686 2809 2882 3100 3129 3209 3211 3228 3244
3301 3312 3426 3510 3530 4034 4249 4337 4804 4861
4905 5000 5062 5104 5293 5362 5406 5756 5961 6015
6338 6401 6467 6584 7097 7193 7217 7219 7223 7236
7308 7353 7420 7423 7510 7589 7640 7669 7730 7981
8030 8103 8224 8318 8384 8597 8951 8977 9129 9179
9247 9291 9317 9385 9487 9532 9586 9701 9803 9954
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

न्याय बनाम अन्याय

अदालतों में बैठे न्यायाधीश तथ्यों, तर्कों और सबूतों के आधार पर मामले में फैसला सुनाते हैं और उम्मीद की जाती है कि सही पक्ष को इंसाफ मिलेगा। लेकिन अगर खुद न्यायिक अधिकारी ही सबूत पेश करने के मामले में गड़बड़ी करने लगें और उसके आधार पर फैसला सुनाने लगें तो इससे न्याय की उम्मीद धूमिल होती है, न्यायालयों पर से भरोसा कम होता है। लक्षद्वीप के एक पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का जैसा आचरण सामने आया, वह न केवल न्याय की अवधारणा को खंडित, बल्कि हैरान करता है कि अगर न्यायिक अधिकारी गलत सबूत पेश करके मुकदमे का पक्ष तय करें तो इससे कैसा उदाहरण स्थापित होगा।

मगर अच्छी बात है कि इस मामले के सामने आने पर केरल उच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी मजिस्ट्रेट, न्यायाधीश और अन्य न्यायिक अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है और उसे भी कर्तव्य में लापरवाही के मामले में परिणाम भुगतने होंगे। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने एक आरोपी को दोषी करार देने के लिए मुकदमे में कथित रूप से साक्ष्य थोपने के मामले में लक्षद्वीप के पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निलंबित करने का आदेश दिया।

आमतौर पर अदालतों में गलत तथ्य, झूठे गवाह और फर्जी सबूत पेश करके मुकदमे को प्रभावित करने की कोशिशें देखी जाती रही हैं। मगर यह माना जाता है कि न्यायाधीश इस स्थिति में कानूनी प्रावधान, प्रक्रिया और व्यवस्था के साथ-साथ अपने विवेक का प्रयोग करके सही और गलत का पक्ष तय करते और उचित फैसला देते हैं। इसके उलट अगर यह स्थिति हो कि खुद न्यायिक मजिस्ट्रेट ही किसी मामले में आरोपी को दोषी करार देने के लिए जाली सबूत गढ़ कर या साक्ष्य थोप कर जालसाजी करे, तो ऐसे मुकदमे में फैसले का अंदाजा लगाया जा सकता है।

ऐसी स्थिति में अदालत का फैसला स्वाभाविक ही न्याय के हक में नहीं होगा। मुश्किल यह है कि ऐसे किसी एक मामले से भी समूची न्यायपालिका की छवि पर असर पड़ता है और लोगों के बीच यह धारणा बनती है कि कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट जब इस तरह की कर्तव्यहीनता कर सकता है तो न्याय की उम्मीद लेकर कहां जाया जाए। इसलिए केरल हाईकोर्ट ने इस मामले में जो रुख अख्तियार किया, वह राहत देता है। इससे यह उम्मीद बरकरार रहती है कि गलत आचरण का आरोपी भले ही न्यायिक मजिस्ट्रेट क्यों न हो, वह न्याय की परिधि से ऊपर नहीं है।

यों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मसले पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। खासकर निचली अदालतों में इस समस्या की जटिलता को लेकर चिंता जताई जाती रही है। लेकिन अब भी इस दिशा में ठोस पहलकदमी सामने नहीं आई है, जिससे न्यायिक अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर पूरी तरह रोक लग सके। लक्षद्वीप के न्यायिक मजिस्ट्रेट के इस मामले को देखें तो एक पहलू यह है कि अदालत के किसी फैसले पर पूर्वाग्रह या निजी द्वेष का भी असर पड़ सकता है। सवाल है कि न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को क्या धन, सुविधा आदि के लोभ या फिर अपने पूर्वाग्रहों के आधार पर किसी मुकदमे का फैसला देने का अधिकार है? कोई भी न्यायाधीश सिर्फ कानूनी प्रावधान और प्रक्रिया से बंधा होता है और इसी सीमा में वह अपने विवेक का प्रयोग करके हर हाल में इंसाफ सुनिश्चित करता है। अगर उसकी किसी अवांछित मंशा की वजह से न्याय प्रभावित होता है, तो इससे उसकी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगेंगे।

जलवायु परिवर्तन पर खोखली चिंताएं

ऋतुपर्ण दवे

जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह सब कुछ पर्यावरण की कुर्बानी देकर हासिल हुआ है। नतीजा सामने है। हवा, पानी, जमीन और जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो पचास साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे लगातार नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है।

गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं।

आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें भी 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को कोई तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुखपी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है।

वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत चरणबद्ध तरीके से गलती सुधारने में जुट जाना था। मगर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गए, कोष इकट्ठा हुए, एजंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा। मगर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है।

महीने भर पहले पूरी दुनिया की उम्मीदें संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित विश्व जलवायु सम्मेलन पर टिकी थीं। उम्मीद थी कि पिछली छब्बीस बैठकों के मुकाबले इसमें कुछ ठोस जरूर होगा। वजह भी थी कि बीते साल भर में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुर्इं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे।

मगर जब मिस्र में सब जुटे तो जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता के बजाय अमेरिका की अफ्रीका से नई पाइप लाइनें बिछा कर जीवाश्म गैसें लाने की दिलचस्पी सुर्खियों में रही। अक्षय ऊर्जा पर कोई ठोस बहस नहीं हुई। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए।

जलवायु परिवर्तन से नुकसान की भरपाई को लेकर इतने मतभेद उभरे कि लगने लगा कि कोई निष्कर्ष निकल भी पाएगा या नहीं। क्षरण और क्षति पर पूरी बहस केंद्रित थी, जिसकी भरपाई कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार देशों से कराने की मांग थी। सहमति न बन पाने और मतभेद ज्यादा होने से बैठक को एक दिन और बढ़ाना पड़ा। अब भरपाई कैसे हो पाएगी, यह वक्त बताएगा। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए बेहद गंभीर संकेत हैं।

अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म र्इंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलाएंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है। यूरोपीय समूह असल में रूसी गैस का विकल्प ढूंढ़ रहा है।

वह इसलिए भी अफ्रीका को ललचाई और स्वार्थ भरी निगाहों से देख रहा है, क्योंकि उसको पता है कि रूस के मुकाबले अफ्रीका हर मोर्चे पर पीछे रहेगा। दुनिया के तमाम उदाहरणों को भी देखना होगा, जब तेल को लेकर कहां-कहां और कैसी-कैसी लड़ाइयां हुई हैं। हो सकता है कि अमेरिका और यूरोपीय समूह के लिए अफ्रीकी देश, रूस के मुकाबले बेहद आसान लक्ष्य हों।

हकीकत यह है कि समूची दुनिया में जीवाश्म गैसों के कुल उत्पादन में छह फीसद हिस्सेदारी ही अफ्रीका की है, जबकि जलवायु परिवर्तन से वहां की फसलों पर जबरदस्त दुष्प्रभाव पड़ा है। वहीं अफ्रीका में अब भी साठ करोड़ से ज्यादा लोगों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। ऐसे में अंधेरे अफ्रीकी देश यूरोप को रोशन करेंगे, सुन कर ही कितना अजीब लगता है।

बात भारत में साल दर साल बढ़ती भयावह गर्मी की हो या फिर 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप की भयावह गर्मी या उस सूखे की, जो पांच सौ साल का कीर्तिमान था या फिर पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ की हो। दुनिया के तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के चलते समुद्री जलस्तर से दुनिया के कई इलाकों के डूबने के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन झेल रहे तमाम देशों की, इस पर कब चेतेंगे?

अभी तो हमने केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में ऐसे हालात देखे हैं, अगर यही वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी आगे बढ़ी, तो हालात कैसे होंगे, कल्पना मात्र से सिहरन हो उठती है। सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं।

अक्षय ऊर्जा के लिए पर्याप्त धन देकर प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता न बढ़ाने की सहमति बनानी थी, वैसा न कर एक मौका और गंवा दिया। आखिर कब तक दुनिया भर में चुकते प्राकृतिक संसाधन हमारे लिए अवसर बनते रहेंगे? शायद यही वह वक्त है जब जलवायु संतुलन पर जलवायु प्रेमी संगठनों के दखल की जरूरत है, जिसमें सरकारों से अलग जनभागीदारी से लोगों में यह संदेश पहुंचे और भावुक तौर-तरीके अपनाए जाएं, जिससे दुनिया के हर आम आदमी को दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जलवायु को सुधारने की कैसी कोशिशें हों, समझाई जाएं।

सवाल सिर्फ सरकारों के एजेंडे, देशों की तरक्की, पैसा कमाने की होड़ या बाहुबली बनने के लिए कुछ भी किया जाए, न होकर आने वाली उस पीढ़ी की चिंता पर है। इसी पर 2015 में पृथ्वी दिवस के दिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी अपनी गंभीर चिंता जताई थी और कहा था कि इससे निपटने की जवाबदेही नई पीढ़ी पर भला कैसे छोड़ी जा सकती है? उनका इशारा भावी पीढ़ी के साथ जबरदस्त और कभी भरपाई न हो सकने वाली मुसीबत की ओर था। भला भावी पीढ़ी का इसमें क्या दोष? क्यों भुगते हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरण असंतुलन का खमियाजा, जो इस मामले में अबोध, नासमझ है, कूटनीति, राजनीति या अर्थनीति की ज्यादा जानकारी नहीं रखती है। बहुतेरों को पर्यावरण, प्रदूषण या जलवायु परिवर्तन की समझ भी नहीं है, लेकिन प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर मन में जरूर कुछ न कुछ हलचल तो होती होगी। बस इसी को जगाना है। सच तो यह है कि समूची दुनिया में प्राकृतिक संतुलन को लेकर एक वैश्विक क्रांति की जरूरत है।

भूखे को भोजन

अव्वल तो हर नागरिक के पास कोई न कोई ऐसा काम होना चाहिए, जिससे वह खुद अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। मगर यह आदर्श स्थिति शायद किसी भी देश में नहीं है। इसलिए जो लोग खुद अपने भोजन का प्रबंध कर पाने में अक्षम हैं, उन्हें भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकारों पर आ जाती है।

इसी दायित्व का निर्वाह करने के मकसद से भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू किया गया था। अब सरकार की सांविधानिक बाध्यता है कि वह किसी को भूखे पेट न सोने दे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हर गरीब व्यक्ति को हर महीने पांच किलो अनाज उपलब्ध कराया जाता रहा है।

अत्यंत गरीब परिवारों को अंत्योदय योजना के तहत प्रति परिवार पैंतीस किलो अनाज उपलब्ध कराया जाता है। खाद्यान्न सुरक्षा योजना के तहत चावल, गेहूं और मोटे अनाज के लिए क्रमश: तीन, दो और एक रुपए प्रति किलो पर भुगतान करना होता है, जबकि अंत्योदय योजना में अनाज मुफ्त दिया जाता है। कोरोना काल में केंद्र ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत इन दोनों योजनाओं के अतिरिक्त पांच किलो अनाज मुफ्त उपलब्ध कराना शुरू किया था, जो सात चरणों में बढ़ते हुए इस महीने खत्म हो रही है।

अब केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को आगे न बढ़ा कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना और अंत्योदय योजना के तहत मिलने वाले अनाज के वितरण की अवधि एक साल और बढ़ा दी है। इस अनाज के लिए भुगतान नहीं करना पड़ेगा। यानी मुफ्त राशन उपलब्ध होगा। सरकार का कहना है कि करीब इक्यासी करोड़ तीस लाख लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा और इस पर करीब दो लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिसे सरकार वहन करेगी।

निस्संदेह इससे गरीबों को बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल, कोरोना के बाद बंदी के चलते बहुत सारे लोग बेरोजगार हो गए और बहुतों का काम-धंधा बंद हो गया। ऐसे में बहुत तेजी से गरीबों की संख्या में वृद्धि हुई। उनके सामने दो वक्त के भोजन का संकट पैदा हो गया। उन्हें भोजन पहुंचाना सरकार का सांविधानिक कर्तव्य है। मगर यह सवाल फिर भी बना हुआ है कि इस तरह इतनी बड़ी आबादी को सरकार कब तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराती रह सकती है। जिस देश की आधे से अधिक आबादी मुफ्त के राशन पर निर्भर हो और दो तिहाई आबादी को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने की चुनौती हो, उसे लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

पिछले कई सालों से लगातार भारत विश्व भुखमरी सूचकांक में पायदान-दर-पायदान नीचे खिसक रहा है। अगले साल आबादी के पैमाने पर हम दुनिया का सबसे बड़ा देश बनने जा रहे हैं। इस तरह भोजन और पोषण संबंधी चुनौतियां उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही हैं। उत्पादन के मामले में भी पिछड़ रहे हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। विशेषज्ञ लगातार सुझाव देते रहे हैं कि इस समस्या से पार पाने का यही तरीका है कि हर हाथ को काम मिले। मगर इस पहलू पर सफलता कठिन बनी हुई है। गरीबी और भुखमरी हर चुनाव में मुद्दा बनती है, राजनीतिक दल इनके जरिए गरीबों का भावनात्मक दोहन करने का भी प्रयास करते हैं, मगर हकीकत यही है कि हर साल ये समस्याएं बढ़ रही हैं। इनके समाधान के लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

जिंदगी में जहर घोलता प्लास्टिक

अखिलेश आर्येंदु

वैज्ञानिकों के मुताबिक माइक्रोप्लास्टिक, जिसका आकार पांच मिलीमीटर होता है, जो खिलौनों, गाड़ियों, कपड़ों, कार के पुराने टायर, पेंट आदि में पाया जाता है, हमारे पास से होते हुए समुद्र में पहुंच रहा है। फिर पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनकर धरती पर लौट आता है। ये प्लास्टिक के कण नंगी आंखों से नहीं दिखाई देते। यही वजह है कि आम आदमी को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। मगर इससे भी ज्यादा हैरत की बात यह है कि हम सबके घरों में माइक्रोप्लास्टिक बहुत बड़ी तादाद में पाए जाते हैं, पर हम इससे अनजान बने रहते हैं। इसकी वजह से हम कई समस्याओं से ग्रस्त हो जाते हैं।

अमेरिका की एक विज्ञान पत्रिका के मुताबिक सबसे साफ माने जानी वाली जगह- दक्षिण नेशनल पार्क- की हवा में प्लास्टिक के महीन कणों की बरसात लगातार होती रहती है। गौरतलब है कि इस इलाके में वाहनों और कारखानों की मौजूदगी न होने के बावजूद यहां माइक्रोप्लास्टिक कणों की बरसात लंबे समय तक होती रहती है, जिससे सैकड़ों टन प्लास्टिक धरती पर बिछ चुकी है। यूनिवर्सिटी आफ आकलैंड (न्यूजीलैंड) के वैज्ञानिकों के मुताबिक इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक सामान से पाली कार्बोनेट निकलता है, जो एक तरह का प्लास्टिक ही है। इससे भी हमारी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

वैज्ञानिकों ने 2021 में माइक्रोप्लास्टिक के असर पर शोध के दौरान पाया कि हम रोज लगभग सात हजार माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े अपनी सांस के जरिए लेते हैं। अध्ययन के मुताबिक माइक्रोप्लास्टिक का हम पर वैसा ही असर होता है, जैसा तंबाकू या सिगरेट का होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि माइक्रोप्लास्टिक हमारी प्रजनन क्षमता पर भी असर डाल रहा है। गौरतलब है कि माइक्रोप्लास्टिक खासकर एकल उपयोगी प्लास्टिक में पाया जाता है, इसलिए ऐसे प्लास्टिक के इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। एकल उपयोगी प्लास्टिक से महज हवा प्रदूषित नहीं हो रही, यह पानी-मिट्टी को भी प्रदूषित कर रहा है।

प्लास्टिक उत्पादों में सबसे अधिक उपयोग प्लास्टिक के थैलों (पचास माइक्रोन से कम) का होता है। फिर इसमें पैकिंग फिल्म, फोम वाले कप-प्याले, कटोरे, ख्रलेट, लेमिनेट किए गए कटोरे और प्लेटें, छोटे प्लास्टिक कप और कंटेनर (डेढ़ सौ मिलीग्राम और पांच ग्राम से कम), प्लास्टिक स्टिक और इयर बड, गुब्बारे, झंडे और कैंडी, सिगरेट के बड, फैलाया हुआ पौलिस्ट्रिन, पेय पदार्थों के लिए छोटे प्लास्टिक पैकेट (दो सौ मिली से कम) और सड़क किनारे लगाए जाने वाले बैनर (सौ माइक्रोन से कम) जैसे प्लास्टिक उत्पाद भी शामिल हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार साधारण प्लास्टिक को सड़ने में लगभग पांच सौ वर्ष लग जाते हैं। सहज उपलब्ध होने के कारण इसका इस्तेमाल बिना सोचे-समझे किया जाता है। दुनिया में इसका महज पांच में से एक हिस्से का पुनर्चक्रण हो पाता है। इस तरह इसका अस्सी प्रतिशत हिस्सा समुद्र में जा रहा है। इसमें माइक्रोप्लास्टिक का हिस्सा सबसे ज्यादा होता है। इससे स्तनधारी जीव असमय मौत का शिकार बनने लगे हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर वर्ष करीब एक लाख समुद्री जीव-जंतु मर जाते हैं, जिसमें सील, ह्वेल, समुद्री कछुए, पक्षी सहित अनेक समुद्री जीव-जंतु शामिल हैं।

माइक्रोप्लास्टिक की वजह से कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए। उनमें कई नई बीमारियां देखने को मिल रही हैं। समुद्र, नदियों और झीलों का जल प्रदूषित हो गया। इससे ग्रामीण और कस्बाई लोग कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो गए हैं। एक सर्वेक्षण के मुताबिक सत्तर के दशक के बाद प्लास्टिक का उपयोग शहरी, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बढ़ता गया, जो बीमारियों का कारण बन गया है।

इस्तेमाल करो और फेंको संस्कृति के कारण प्लास्टिक आज देश ही नहीं, पूरे विश्व में अनेक बीमारियों का कारण बन गया है। लंबे समय तक प्लास्टिकअपघटित नहीं हो पाता, जिसके चलते यह हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित करता है। उपयोग में आने वाले प्लास्टिक को जलाने से कई तरह की जहरीली गैसें पैदा होती हैं, जिनमें नाइट्रिक आक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड प्रमुख हैं। इन गैसों से फेफड़ों और आंख की बीमारियां, कैंसर, मोटापा, मधुमेह, थायराइड, पेट दर्द, सिर दर्द, कब्ज जैसी अनेक समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

नए शोध के अनुसार प्लास्टिक से बने बर्तन में गर्म पेय और खाद्य पदार्थों के उपयोग से इसमें मौजूद नुकसानदेह रसायन डाइआक्सिन, लेड (सीसा), कैडमियम आदि खाद्य पदार्थों में घुल कर हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं, जिससे पेट, सिर, फेफड़े और आंख से संबंधित समस्याएं पैदा हो जाती हैं। महिलाओं में प्लास्टिक के अधिक उपयोग से बांझपन हो सकता है। यह वनस्पतियों, औषधियों और पेड़ों के विकास पर भी असर डालता है। इसका कारण सिंथेटिक पालीमर नामक पदार्थ है, जो पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे उगी वनस्पतियों और पेड़ों पर यह असर अधिक देखा गया है।

नदियों और समुद्र तटों पर अरबों टन प्लास्टिक कचरा मौजूद है। इस कचरे का पुनर्चक्रण करने का काम भी दुनिया की कुछ कंपनियां कर रही हैं। एक कंपनी ने प्लास्टिक की खाली बोतलों से परिधान बना कर प्रदूषण-मुक्ति की दिशा में एक सफल प्रयोग किया है। इस कंपनी ने जो टीशर्ट तैयार की है, उसको बनाने में सात बोतलें उपयोग में ली जाती हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार 2017-18 में भारत में प्लास्टिक कचरे का छह करोड़ साठ लाख अठहत्तर हजार सात सौ पचासी टन अंबार लग गया था। एकल उपयोगी प्लास्टिक से फैलने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए एक टिकाऊ विकल्प तैयार किया जाए। दूसरे, प्लास्टिक का ऐसा रूप तैयार किया जाए, जो प्रदूषण न फैलाए, बल्कि प्रदूषण से मुक्ति दिलाने में भूमिका निभाए।

अभी यह विकल्प केवल कल्पना है, लेकिन इस दिशा में कई कंपनियां और देश आगे बढ़ रहे हैं। जूते बनाने वाली एक कंपनी ने 2018 में प्लास्टिक कचरे से पचास लाख जोड़ी जूते तैयार किए। इसमें जो प्लास्टिक उपयोग किया गया, वह पोस्ट-कम्यूमर रिसाइक्लिड प्लास्टिक था, जो महासागरीय तटों और तटीय क्षेत्रों से इकट्ठा किया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार वैश्विक ताप का कारण प्लास्टिक प्रदूषण भी हो सकता है।

केंद्र सरकार ने पर्यावरण दिवस पर घोषणा किया था कि एकल उपयोगी प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से 2022 तक चलन से बाहर किया जाएगा, लेकिन तमाम प्रतिबंधों की घोषणा के बावजूद यह संभव नहीं हो पाया। राष्ट्रीय और संगठनात्मक स्तर पर 2025 तक प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने एकल उपयोगी प्लास्टिक को राज्य स्तरीय नियम बना कर प्रतिबंधित करने का कार्य किया, वहीं कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी 2025 तक पैकेजिंग में सौ फीसद पुनर्चक्रित उत्पाद का प्रयोग करने की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरयिाणा सहित देश के अनेक राज्यों में प्लास्टिक कचरे पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन व्यावहारिक जिंदगी में एकल उपयोगी प्लास्टिक का चलन ज्यों का त्यों है। अगर एकल उपयोगी प्लास्टिक को चलन से बाहर नहीं किया गया, तो माइक्रोप्लास्टिक बरसात से जो मानव सभ्यता का नुकसान होगा, वह हमारी कल्पना से बाहर हो सकता है।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं –

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहा पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

जापान में भारी बर्फबारी के कारण 17 लोगों की मौत, 93 अन्य लोग घायल

तोक्यो। जापान में भारी बर्फबारी के कारण 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से अधिक लोग घायल हो गए। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दमकल एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, जापान में पिछले सप्ताह से उत्तरी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हो रही है, राजमार्गों पर सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं, जिससे सामान आपूर्ति में देरी हो रही है। एजेंसी के अनुसार, शनिवार तक अलग-अलग घटनाओं में 11 लोगों की मौत हो गई है। क्रिसमस सप्ताहांत में अधिक बर्फबारी से सोमवार सुबह तक मृतक संख्या बढ़कर 17 हो गई और घायलों की संख्या 93 है। इनमें से कई लोग छतों पर से बर्फ हटाते समय गिर गए या छतों से गिरने वाले बर्फ के बड़े बड़े ढेलों के नीचे दब गए। बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में नगरपालिका कार्यालयों ने लोगों से बर्फ हटाने के दौरान सावधानी बरतने और अकेले काम न करने का आग्रह किया है। नीगाता चावल की बुआई के लिए पहचाना जाता है। वहां जापानी चावल का केक 'मोची' बनाने वाले कुछ लोगों ने बताया कि नववर्ष के दौरान इसकी बिक्री अधिक होती है, लेकिन अब उसकी आपूर्ति में परेशानी आ रही है।

भाग्य ही सबसे बड़ी महाशक्ति है : एलन मस्क

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने सोमवार को एक यूजर को जवाब देते हुए कहा कि भाग्य सबसे बड़ी महाशक्ति है। मस्क की प्रतिक्रिया एक उपयोगकर्ता के प्रश्न पर आई जिसने पूछा क्या होगा यदि कौशल केवल एक अलग प्रकार का भाग्य है? जबकि एक उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की एकमात्र महाशक्ति जो वास्तव में मायने रखती है वह दूसरों से प्यार करने की क्षमता है। दूसरे ने कहा भाग्य जैसी कोई चीज नहीं है। सांख्यिकीय ब्रह्मांड से निपटने के लिए केवल पर्याप्त या अपर्याप्त तैयारी है। इस बीच मस्क ने अपने 123 मिलियन से अधिक अनुयायियों को मैरी क्रिसमस और गुड चीयर टू ऑल कहा! पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि वह सॉफ्टवेयर और सर्वर टीमों को तभी चलाएंगे जब उन्हें उनकी जगह लेने के लिए कोई मूर्ख मिल जाएगा। उन्होंने एक पोल के जवाब में बयान दिया जहां 57.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए।

उत्तर कोरिया के ड्रोन ने किया हवाई क्षेत्र का उल्लंघन; दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए गोलीबारी की

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया के ड्रोन द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए जाने के बाद चेतावनी देते हुए गोलीबारी की। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि कोरियाई सीमा पार करके आए कई मानवरहित उत्तर कोरियाई ड्रोन सोमवार को दक्षिण कोरिया के क्षेत्र में देखे गए। ऐसा 2017 के बाद पहली बार हुआ है, जब उत्तर कोरिया के ड्रोन दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र में घुसे हैं। इस घटना से तीन दिन पहले दक्षिण कोरिया ने कहा था कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वी समुद्री तट की ओर छोटी दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं।

ईरान में खदान विस्फोट में दो लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के मध्य सेमनान प्रांत में एक खदान में हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है तथा पांच अन्य घायल हो गए है। सेमनान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के सेंटर फॉर मैनेजमेंट ऑफ मेडिकल एक्सीडेंट्स एंड इमर्जेंसीज के प्रमुख मोहम्मद अली ताहेरी ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को दमघन शहर के तुये गांव में फ्लोरिन खदान में हुई। उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी दिए बिना कहा कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

दक्षिण अफीका : गैस टैंकर में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हुई

दक्षिण अफ्रीका रविवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर जोहानिसबर्ग के निकट टैंकर ट्रक में हुए विस्फोट से हुई तबाही और मौतों के दुख से जूझ रहा है। इस विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गयी है। बोक्सबर्ग शहर में शनिवार को कम ऊंचाई वाले एक रेलवे पुल के नीचे गैस टैंकर फंस गया था, जिसमें बाद उसमें आग की लपटें निकलने लगीं। आपातकालीन सेवाओं के अधिकारियों के मुताबिक दमकलकर्मी आग बुझाने का काम कर रहे थे कि तभी टैंकर में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने कहा कि इस विस्फोट से एक 'अग्नि बम' ने लगभग 100 मीटर (110 गज) दूर स्थित टैम्बो मेमोरियल अस्पताल को भी काफी नुकसान पहुंचाया। स्वास्थ्य मंत्री जो फहला ने कहा कि मरने वालों में अस्पताल के तीन कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विस्फोट के कारण अस्पताल की आपातकालीन इकाई और एक्स-रे विभाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने समाचार वेबसाइट न्यूज24 को बताया कि जलते हुए ट्रक को देखने के लिए जमा हुए लोग विस्फोट से भाग गए, इस दौरान कुछ लोगों के कपड़े भी जल गए। कम से कम 321 घायल लोगों को क्षतिग्रस्त अस्पताल में ले जाया गया, हालांकि कुछ को बाद में जोहानिसबर्ग-क्षेत्र के अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट से कई मकान और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

चार्ल्स तृतीय ने क्रिसमस पर शांति व प्रसन्नता के माहौल की कामना की

लंदन। ब्रिटिश महाराज चार्ल्स तृतीय ने क्रिसमस के मौके पर दुनिया में शांति और प्रसन्नता के माहौल की कामना की है। उन्होंने महाराज बनने के बाद क्रिसमस के मौके पर अपने पहले भाषण में बहुधर्मी संदेश दिया और इसमें ब्रिटेन में गिरजाघरों मस्जिदों मंदिरों और गुरुद्वारों द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया। महाराज चार्ल्स का इस महीने की शुरुआत में विंडसर कैसल में सेंट जॉर्ज चैपल में संदेश रिकॉर्ड किया था। महाराज चार्ल्स की मां एवं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का सितंबर में 96 वर्ष की आयु में निधन हुआ था। ब्रिटिश राजशाही की ओर से अपने पहले पारंपरिक क्रिसमस दिवस संदेश में महाराजा चार्ल्स-तृतीय ने दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि दी। ब्रिटिश राजशाही की ओर से क्रिसमस पर संदेश प्रसारित करने की लंबे समय से परंपरा रही है जिसका मकसद ब्रिटेन समेत पूरे राष्ट्रमंडल की जनता को संदेश देना होता है। चार्ल्स ने कहा क्रिसमस निश्चित रूप से एक ईसाई उत्सव है जो अंधेरे पर प्रकाश की विजय मनाने का एक अवसर है। उन्होंने कहा हमारे गिरजाघर यहूदी उपासनास्थल मस्जिद मंदिर और गुरुद्वारे एक बार फिर से भूखों को खाना खिलाने प्यार और सहायता प्रदान करने के लिए एकजुट हुए हैं।

बलूचिस्तान में आतंकियों के साथ 2 अलग-अलग मुठभेड़ों में 6 सैनिकों की मौत 15 घायल

इस्लामाबाद। पाक के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में आतंकियों के साथ 2 अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम 6 सैन्यकर्मी मारे गए। प्रांत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों द्वारा किए गए ग्रेनेड हमलों में 15 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी बयान के मुताबिक बलूचिस्तान के कहन इलाके में एक अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में 6 सैनिक मारे गए। बयान के मुताबिक विश्वसनीय सूचना के आधार पर इस अभियान की शुरुआत की गई। बयान के अनुसार झोब जिले के सांबाजा इलाके में आतंकियों के खिलाफ एक अभियान 96 घंटे से जारी है। आईएसपीआर के बयान के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य आतंकवादियों के पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पार कर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घुसने और नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए कुछ संदिग्ध मार्गों का उपयोग करने से रोकना है। इस बीच अफगानिस्तान की सीमा से सटे प्रांत के छेटा लासबेला और खुजदार में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोटों में कम से कम 15 लोग घायल हो गए हैं।

अमेरिका के बफेलो क्षेत्र में भारी बर्फबारी के बाद सड़क पर फैला हुई बर्फ।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 34 लोगों की मौत

बुफालो। अमेरिका में बर्फीले तूफान से कम से कम 34 लोगों की मौत हो गयी है, जबकि कई जगहों पर बर्फबारी में लोगों के फंसे होने से मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से कई इलाकों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बती गुल हो गयी। घरों एवं वाहनों पर बर्फ की मोटी परत बिछ गई है। तेज हवाओं की वजह से कई जगहों पर पेड़ गिर गए और बिजली की तारों को भी नुकसान पहुंचा है। तूफान की वजह से कनाडा के पास ग्रेट लेक्स से मैक्सिको की सीमा से लगे रियो ग्रांडे तक का इलाका प्रभावित हुआ है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, मौसम संबंधी सलाह या चेतावनी के दायरे में अमेरिका की करीब 60 प्रतिशत आबादी है और रॉकी माउंटेन के पूर्व से एपलाचियन तक तापमान सामान्य से काफी नीचे गिर गया है। विमानों की आवाजाही पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के मुताबिक, रविवार को करीब 1,707 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गईं। तूफान ने न्यूयॉर्क के बुफालो में सबसे ज्यादा तबाही मचायी है। आपात सेवाओं के अभियान भी बाधित हुए। बर्फ की मोटी परत बिछी होने के कारण शहर का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद कर दिया गया है। अमेरिका में अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों की मौत तूफान संबंधी घटनाओं जैसे कार दुर्घटना, पेड़ गिरने आदि के कारण हुईं। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि तूफान की वजह से बुफालो में आपात सेवा का अभियान ठप पड़ गया है। आपात सेवाओं के समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण न्यूयॉर्क के उपनगरीय चीकटोवागा में शुक्रवार को दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा एरी काउंटी के कार्यकारी मार्क पोलोंकार्ज ने बताया कि तूफान के कारण काउंटी में 10 और लोगों की मौत हो गई, जिनमें से छह की मौत बुफालो में हुई। बुफालो नियाग्रा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आज यानी सोमवार को बंद रहेगा। एंबुलेंस को पहुंचने में भी देरी हो रही है।

कोरोना से बुरी तरह जूझ रहे चीन ने ताइवान को घेर किया युद्धाभ्यास

एयर डिफेंस जोन का उल्लंघन कर भेजे 71 एयरक्राफ्ट

ताइपे (एजेंसी)। चीन की जनता इस समय कोरोनो वायरस के कहर से तड़प रही है। सड़को पर लाशें बिछी हुई हैं। अंतिम संस्कार के लिए 2-4 दिनों की वेटिंग चल रही है, अस्पतालों में लाखों लोग रोजाना दम तोड़ रहे हैं। इतने नाजुक हालात के बावजूद चीन जनता की फिक्र छोड़कर ताइवान और भारत पर निशाना साध रहा है। जहां एक तरफ तवांग में हाल ही में चीनी सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की वहीं जिसका करारा जवाब भारतीय सेना ने दिया। वहीं दूसरी चीन ताइवान पर अब फिर से हमला कर रहा है। चीन की सेना ने 24 घंटे तक शक्ति प्रदर्शन करते हुए इस दौरान ताइवान की ओर 71 विमान तथा सात पोत भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के शनिवार को ताइवान से संबंधित अमेरिकी वार्षिक रक्षा व्यय विधेयक पारित करने के बाद चीन ने यह कार्रवाई की। चीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में इसे एक गंभीर राजनीतिक उकसावा करार देते हुए कहा था कि यह चीन के आंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप है।

71 युद्धक विमान

चीन ने पिछले 24 घंटे में ताइवान की ओर भेजे

वहीं ताइवान ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि यह स्वशासित द्वीप के प्रति अमेरिका के समर्थन को प्रदर्शित करता है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार सुबह छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे के बीच ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र में चीन के 47 विमान गुजरे। यह एक अनौपचारिक सीमा है, जिसे दोनों पक्षों ने मौन रूप से स्वीकार किया है। चीन ने ताइवान की ओर जो विमान भेजे उसमें, 18 जे-16 लड़ाकू विमान, 11 जे-1 लड़ाकू विमान, छह एसयू-30 लड़ाकू विमान और ड्रोन शामिल हैं। ताइवान ने कहा कि अपनी भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ अपने नौसैनिक पोतों के माध्यम से वह चीनी कार्रवाई पर नजर रख रहा है।

अमेरिका के उकसावे का चीन ने ताइवान पर हमला करके दिया जवाब

चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी ने रविवार को एक बयान में कहा, ''यह अमेरिका-ताइवान के उकसावे का जवाब है।'' उन्होंने कहा कि पीएलए ताइवान के आसपास के जल क्षेत्र में संयुक्त गश्त कर रहा है और संयुक्त युद्धाभ्यास कर रहा था। शी अमेरिकी रक्षा व्यय विधेयक का जिक्र कर रहे थे, जिसे चीन ने रणनीतिक चुनौती बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 858 अरब डॉलर के रक्षा विधेयक पर शुक्रवार को हस्ताक्षर कर उसे कानून का रूप दे दिया था। इसमें मुद्रास्फीति के प्रभाव को कम करने और चीन एवं रूस के प्रति देश की सैन्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए सांसदों से किये बाइडन के वादे से 45 अरब डॉलर अधिक शामिल है।

भारत और चीन ने प्रचंड को नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर बधाई दी

काठमांडू (एजेंसी)। भारत और चीन ने सोमवार को नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड को बधाई दी। प्रचंड (68) ने आश्चर्यजनक रूप से देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले पांच दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होकर रविवार को राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित समय सीमा समाप्त होने से पहले सरकार गठन का दावा पेश किया था, जिसके बाद राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड सोमवार को तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। 'माय रिपब्लिका' वेबसाइट की खबर के अनुसार माओइस्ट सेंटर के सचिव गणेश शाह ने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने सोमवार सुबह पार्टी कार्यालय में हुई बैठक के दौरान फोन पर प्रचंड को बधाई दी।

खबर में बताया गया है कि शाह ने कहा कि नेपाली कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी प्रचंड को बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को प्रचंड को बधाई दी। मोदी ने ट्वीट किया, ÷नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त होने पर पुष्प कमल दहल प्रचंड को हार्दिक बधाई। भारत और नेपाल के बीच अद्वितीय संबंध लोगों के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव और गर्मजोशी पर आधारित हैं। मैं इस दोस्ती को और मजबूत बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं।÷ चीन ने भी प्रचंड को नेपाल का 44वां प्रधानमंत्री नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। काठमांडू स्थित चीन दूतावास के प्रवक्ता ने रविवार शाम प्रचंड की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति के तुरंत बाद ट्वीट किया, ÷नेपाल के 44वें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति के लिए प्रचंड (पुष्प कमल दहल) को हार्दिक बधाई।

नेतन्याहू ने एलजीबीटी विरोधी विधेयकों को पारित नहीं करने का संकल्प लिया

येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल के भावी प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प लिया है कि उनकी गठबंधन सरकार एलजीबीटी के खिलाफ भेदभाव की अनुमति देने वाले विधेयकों को पारित नहीं करेगी। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी रविवार को उनके दो अति-दक्षिणपंथी सहयोगियों के बयानों के जवाब में की है जिसमें उन्होंने चिकित्सकों और व्यापार मालिकों को एलजीबीटी लोगों के साथ भेदभाव करने की अनुमति देने वाले कानूनों को पारित करने का संकल्प लिया था।

प्रो-सेटलर रिलिजियस जिओनिस्ट पार्टी के सांसद ओरित स्ट्रुक ने एक साक्षात्कार में कहा उनकी पार्टी इजराइल के भेदभाव-विरोधी कानून को बदलने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पार्टी के एक अन्य सांसद सिम्चा रोटमैन ने बताया कि होटल और रेस्तरां जैसे निजी व्यवसायों के मालिकों को एलजीबीटीक्यू लोगों को सेवा देने से मना करने की अनुमति दी जाएगी अगर यह उनकी धार्मिक भावनाओं को नुकसान पहुंचाता है।

नेतन्याहू ने इस टिप्पणी के खिलाफ अपने सहयोगियों को फटकार लगाते हुए एक वीडियो बयान जारी किया और कहा कि यह टिप्पणी अस्वीकार्य है। नेतन्याहू के अनुसार गठबंधन समझौते एलजीबीटी के खिलाफ भेदभाव की अनुमति नहीं देते हैं या इज़राइल में किसी अन्य नागरिक के रूप में सेवाएं प्राप्त करने के उनके अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। नेतन्याहू की नई गठबंधन सरकार के गुरुवार तक शपथ लेने की उम्मीद है।

इस्लामाबाद में बड़े हमले की आशंका, अमेरिका और इंग्लैंड ने अपने दूतावास के कर्मचारियों के लिए जारी किया अलर्ट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बड़े हमले की आशंका जताई जा रही है। इस आशंका के मद्देनजर अमेरिका और इंग्लैंड ने अपने दूतावास के कर्मचारियों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों ने अपने अधिकारियों से इस्लामाबाद के एक बड़े होटल में जाने से परहेज करने को भी कहा है। यह अलर्ट तब जारी किया गया है जब शहर में 2 दिन पहले भी आत्मघाती हमले हुए हैं। इसके बाद से इस्लामाबाद में हाई अलर्ट रखा गया है। इस हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी जबकि कई घायल बताए जा रहे थे। फिलहाल अमेरिका ने अपने कर्मचारियों और नागरिकों को किसी भी सार्वजनिक स्थल पर जाने से भी बचने को कहा है। अमेरिका की ओर से आशंका जताई गई है कि एक अज्ञात व्यक्ति छुट्टियों के दौरान हमने की योजना बना रहा है। पहले अमेरिका ने अपने नागरिकों को अलर्ट किया बाद में ब्रिटेन की ओर से भी अलर्ट जारी कर दिया गया। परामर्श के जरिये अमेरिकी कर्मियों को छुट्टियों के दौरान लोकप्रिय होटल की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिकी दूतावास ने सभी कर्मियों को छुट्टियों के दिनों में इस्लामाबाद की अनावश्यक यात्रा करने से बचने को कहा है। उल्लेखनीय है कि एक आत्मघाती हमलावर ने इस्लामाबाद स्थित मैरिएट होटल को सितंबर 2008 में निशाना बनाया था, जो राजधानी में हुए इस तरह के सर्वाधिक घातक हमलों में एक था।

अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक मदद का भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता पाकिस्तान

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को फिर फंडिंग देने की घोषणा की है। इस बार पाकिस्तान को अफगान सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने को लेकर करोड़ों अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे। अमेरिका ने कहा है कि वह अफगान सीमा से पाकिस्तान में बढ़ रहे आतंकवादी हमलों को लेकर गंभीर है। इस रोकने के लिए वह पाकिस्तान के साथ साझेदारी को बढ़ाने को तैयार है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका ने नए बजट में पाकिस्तानी सीमा की सुरक्षा के लिए आर्थिक मदद के विशेष प्रबंध किए हैं। इसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा है कि जो बाइडेन प्रशासन पाकिस्तान को दशकों से बंद फंडिंग को फिर से शुरू करने जा रहा है। इससे कुछ महीने पहले ही अमेरिका ने पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों के अपग्रेडेशन के लिए करोड़ों डॉलर का स्पेशल पैकेज दिया था। पाकिस्तानी विदेश मंत्री जरदारी ने कहा कि उन्हें अमेरिका की यात्रा के दौरान दो वरिष्ठ सीनेटरों ने पाकिस्तान को दी जाने वाली फंडिंग के बारे में जानकारी दी थी।

प्रचंड नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त अनिश्चितता का वातावरण समाप्त

काठमांडू (एजेंसी)। काठमांडू(ईएमएस)। नेपाल में 5 दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर आने के बाद सीपीएन-माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। पिछले माह हुए आम चुनावों में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न मिल पाने के कारण देश में जारी अनिश्चितता का वातावरण के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद समाप्त हो गया।

यह आश्चर्यजनक घटनाक्रम भारत और नेपाल के बीच संबंधों की दृष्टि से अच्छा नहीं है क्योंकि क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर प्रचंड और उनके मुख्य समर्थक केपी शर्मा ओली के रिश्ते पहले से ही नयी दिल्ली के साथ कुछ बेहतर नहीं हैं। राष्ट्रपति कार्यालय से यहां जारी एक बयान के अनुसार 68 वर्षीय प्रचंड को संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रपति ने प्रतिनिधि सभा के वैसे किसी भी सदस्य को प्रधानमंत्री पद का दावा पेश करने के लिए आमंत्रित किया था जो संविधान के अनुच्छेद 76(2) में निर्धारित दो या दो से अधिक दलों के समर्थन से बहुमत प्राप्त कर सकता हो। प्रचंड ने राष्ट्रपति द्वारा दी गई समय सीमा के समाप्त होने से पहले सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया था।

अनुच्छेद 76(2) के तहत गठबंधन सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रपति द्वारा दी गई समय सीमा समाप्त हो रही थी। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार नवनियुक्त प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार शाम 4 बजे होगा। सूत्रों ने बताया कि प्रचंड सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन सहित अन्य शीर्ष नेताओं के साथ राष्ट्रपति कार्यालय गये और सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल सीपीएन-एमसी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और अन्य छोटे दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक यहां हुई जिसमें सभी दल प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमत हुए। प्रचंड को 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 168 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है जिनमें सीपीएन-यूएमएल के 78 सीपीएन-एमसी के 32 आरएसपी के 20 आरपीपी के 14 जेएसपी के 12 जनमत के 6 नागरिक तथा 3 निर्दलीय शामिल हैं।

तीसरी बार नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त प्रचंड को चीन का समर्थक माना जाता है। प्रचंड ने अतीत में कहा था कि नेपाल में बदले हुए परिदृश्य के आधार पर और 1950 की मैत्री संधि में संशोधन तथा कालापानी एवं सुस्ता सीमा विवादों को हल करने जैसे सभी बकाया मुद्दों के समाधान के बाद भारत के साथ एक नयी समझ विकसित करने की आवश्यकता है।

भारत व नेपाल के बीच 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों का आधार बनाती है। हालांकि प्रचंड ने हाल के वर्षों में कहा था कि भारत और नेपाल को द्विपक्षीय सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए इतिहास में अनिर्णित कुछ मुद्दों का कूटनीतिक रूप से समाधान किये जाने की आवश्यकता है। उनके मुख्य समर्थक ओली भी चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में ओली ने पिछले साल दावा किया था कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण तीन क्षेत्रों- लिपुलेख कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों- को नेपाल के राजनीतिक मानचित्र में शामिल करने के कारण उन्हें सत्ता से बाहर किये जाने का प्रयास हुआ था।

इस विवादित मानचित्र के कारण दोनों देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हो गये थे। लिपुलेख कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्र भारत का हिस्सा हैं। भारत ने 2020 में नेपाली संसद द्वारा नए राजनीतिक मानचित्र को मंजूरी देने के बाद पड़ोसी देश के इस कदम को अस्वीकार्य करार दिया था। नेपाल 5 भारतीय राज्यों -सिक्किम पश्चिम बंगाल बिहार यूपी और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक की सीमा साझा करता है।

किसी बंदरगाह की गैर-मौजूदगी वाला पड़ोसी देश नेपाल माल और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। नेपाल की समुद्र तक पहुंच भारत के माध्यम से है और यह अपनी जरूरतों की चीजों का एक बड़ा हिस्सा भारत से और इसके माध्यम से आयात करता है। ग्यारह दिसंबर 1954 को पोखरा के निकट कास्की जिले के धिकुरपोखरी में जन्मे प्रचंड करीब 13 साल तक भूमिगत रहे।

उन्होंने 1996 से 2006 तक सशस्त्र संघर्ष का नेतृत्व किया था जो अंततः नवंबर 2006 में व्यापक शांति समझौते पर हस्ताक्षर के साथ समाप्त हुआ। इससे पहले ओली के आवास बालकोट पर बैठक आयोजित हुई जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री ओली के अलावा प्रचंड तथा अन्य छोटे दलों के नेताओं ने प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमति जताई। प्रचंड और ओली के बीच बारी-बारी से सरकार का नेतृत्व करने के लिए सहमति बनी है।

ऑस्ट्रेलिया/दक्षिण अफ्रीका दूसरे क्रिकेट टेस्ट :

बॉक्सिंग डे टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही दिन शिकंजा कसा

-दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 189 रनों पर समेटने के बाद बनाये एक विकेट पर 45 रन

मेलबर्न (एजेंसी)। कैमरोन ग्रीन मिचेल स्टार्क सहित अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां बॉक्सिंग डे पर शुरु हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका पर शिकंजा कसा दिया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को पहली पारी में 189 रनों पर ही समेट दिया। आज सुबह टॉस जीतने के बाद मेजबान टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ग्रीन ने इस दौरा पांच विकेट मेजबान टीम को दबाव में ला दिया। वहीं इसके बाद मिचेल स्टार्क ने दो जबकि स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने एक-एक विकेट लेकर उसे समेट दिया। इसके बाद दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जवाब में अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 45 रन बना लिए थे। डेविड वॉर्नर 32 जबकि मार्नस लाबुशेन पांच रन बनाकर खेल रहे थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा रहे। वह केवल एक रन बनाकर कसिगो रबाडा का शिकार बने।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से विकेटकीपर काइल वेरेने और मार्को यैनसेन के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी टिक नहीं पाया। इन दोनो ने अर्धशतक लगाये। इन दोनों की पारियों के बल पर ही दक्षिण अफ्रीकी टीम 150 रनों के ऊपर पहुंच गयी। दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही और 67 रनों तक ही उसने अपने पांच विकेट खो दिये। कप्तान डीन एल्गर और सेरेल एरवी ने पारी शुरु की थी। एरवी 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट हुए। वहीं थियोनिस डि ब्रुएन 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान एल्गर भी अधिक देर नहीं टिक पाये। टेम्बा बवुमा एक और खाया जोंडो पांच रन बनाकर पेवेलियन लौटे। आउट हुए। एक समय लग रहा था कि सौ रन भी नहीं बन पायेंगे पर

वेरेने और यैनसेन ने एक अच्छी साझेदारी कर टीम को संभाला। इन दोनों के आउट होते ही टीम ढ़ह गयी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 11 गेंद पर महज एक रन बनाकर आउट हो गए। उनका विकेट कगीसो रबाडा के खाते में गया।

लवलीना और निकहत फाइनल में, रेलवे के आठ मुक्केबाज भी जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। रेलवे के आठ मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंच गए जिनमें विश्व चैम्पियनशिप 2019 की रजत पदक विजेता मंजू रानी (48 किलो) और 2017 विश्व युवा चैम्पियन ज्योति गूलिया (52 किलो) शामिल हैं। निकहत (50 किलो) तेलंगाना के लिये खेल रही हैं जिन्होंने एआईपी की शविंदर कौर को 5.0 से हराया। अब उनका सामना अनामिका से होगा।

असम की लवलीना (75 किलो) ने मध्य प्रदेश की जिज्ञासा राजपूत को मात दी। अब वह 2021 विश्व युवा चैम्पियन एसएससीबी की अरूंधति चौधरी से खेलेंगी। गत चैम्पियन रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के आठ मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गए। मंजू ने मप्र की अंजलि शर्मा को हराया और अब तमिलनाडु की एस कलाइवानी से खेलेंगी। ज्योति ने उत्तर प्रदेश की सोनिया को मात दी। अब उनका सामना एसएससीबी की साक्षी से होगा। रेलवे की अनुपमा (50 किलो), शिक्षा (54 किलो), पूनम (60 किलो) साक्षी (63 किलो), अनुपमा (81 किलो) और नुपूर (81 प्लस) ने भी फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा (57 किलो) और विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किलो) भी फाइनल में पहुंच गई। मनीषा ने आरएसपीबी की सोनिया लाठेर को 4.1 से मात दी और अब हिमाचल प्रदेश की विनाक्षी से खेलेंगी। वहीं सिमरनजीत ने एआईपी की क्रोस मागेहसांगी को 5.0 से हराया। अब उनका सामना आरएसपीबी की पूनम से होगा।

स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान नहीं देने पर आईसीसी पर साधा निशाना

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने खेल के लंबे प्रारूप के कार्यक्रम पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि दुनिया भर में घरेलू टी20 लीग की बढ़ती लोकप्रियता खेल के सबसे लंबे प्रारूप के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। पाकिस्तान दौरे पर हाल ही में टीम को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टोक्स ने कहा, ''कार्यक्रम पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना देना चाहिए। टी-20 विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला इसका उदाहरण है। तीन मैचों की श्रृंखला का आयोजन क्या समझदारी भरा था जबकि इस श्रृंखला की कोई अहमियत नहीं थी।' स्टोक्स ने कहा, ''मौजूदा दौर में टेस्ट क्रिकेट को लेकर जिस तरह की बात हो रही है वह मुझे पसंद नहीं है। क्रिकेट के प्रशंसक टेस्ट की जगह नये प्रारूप और फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता को तरजीह दे रहे हैं। हम सभी इस बात को समझते हैं कि इससे (सीमित ओवरों के प्रारूप) खिलाड़ियों को काफी मौके मिलते हैं लेकिन मैं मानता हूं कि टेस्ट क्रिकेट खेल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' यह संकेत देते हुए कि टेस्ट खेलने वाले देशों को आक्रामक क्रिकेट खेलने के इंग्लैंड के नक्शेकदम पर चलना चाहिए, स्टोक्स ने कहा कि पांच दिवसीय प्रारूप को लोकप्रिय बनाने के लिए 'परिणाम' से अधिक 'मनोरंजन' की जरूरत है। इस दिग्गज हरफनमौला ने कहा, ''परिणाम के बारे में नहीं सोच कर एक अच्छी शुरुआती की जा सकती है। हर दिन को मनोरंजक बनाने पर ध्यान देना चाहिये। आपको लोगों को अंदाजा लगाने का ज्यादा मौका नहीं देना चाहिये। अगर लोग इस बात से उत्साहित हो जाते हैं कि वे क्या देखने जा रहे हैं तो इससे ही आपकी बड़ी जीत हो सकती है।' स्टोक्स ने आईसीसी से टेस्ट क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने के लिए कुछ अलग करने की सलाह दी। स्टोक्स ने कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है और मैं मानता हूं कि हम इस मामले में कुछ अलग कर सकते है।' जो रूट से कप्तानी का जिम्मा लेने के बाद स्टोक्स ने 10 मैचों में इंग्लैंड को नौ जीत दिलाई हैं।

टेस्ट में सबसे अधिक रन ऋषभ ने बनाये विराट छठे स्थान पर रहे

-श्रेयस दूसरे और पुजारा तीसरे स्थान पर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2022 में टीम इंडिया की ओर से बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाये जबकि श्रेयस अय्यर दूसरे और चैत्तेश्वर पुजारा को तीसरा स्थान मिला। इस साल भारतीय टीम का प्रदर्शन सामान्य रहा और उसने कुल सात टेस्ट मैच में खेले जिसमें से चार में उसे जीत मिली जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस साल टीम को टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रनों के मामले में आर अश्विन से भी पीछे रहे।

टेस्ट क्रिकेट में ऋषभ ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाए जबकि मध्यक्रम में अय्यर ने अच्छी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया और इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारत की ओर से दूसरे नंबर पर रहे। ऋषभ ने सात मैच में 61.81 के औसत से 680 रन बनाये। इस दौरान उनका सबसे ज्यादा स्कोर 146 रन रना रहा। वहीं अय्यर ने पांच मैचों की आठ पारी में 60.28 के औसत से 422 रन बनाये। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 92 रन रहा। वहीं चेतेश्वर पुजारा ने पांच मैचों की दस पारियों में 45.44 के औसत से 409 रन बनाये। रविन्द्र जडेजा ने तीन मैचों में 82.00 के औसत से 328 रन बनाये। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 175 रन रना। वहीं अश्विन ने 6 मैचों में 30 के औसत से 270 जबकि विराट ने 6 मैचों में 26 के औसत से केवल 265 रन बनाये।

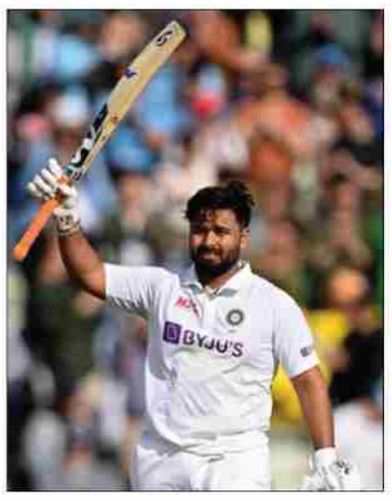

साल 2022 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन अय्यर ने बनाये

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इस साल अपना 71वां शतक पर पर साल भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर रहे। अय्यर ने सभी प्रारूपों में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाए हैं। श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 39 मैचों और 40 पारियों में कुल 1609 रन बनाए हैं। अय्यर ने 1732 गेंदों का सामना किया है और 92.89 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज ने 48.75 की औसत से 14 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। वहीं सूर्यकुमार यादव सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। सूर्या ने 40.68 की औसत से 1424 रन बनाये हैं और वह सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं ऋषभ पंत 1380 रन के साथ ही तीसरे और रोहित शर्मा 995 रनों के साथ ही चौथे नंबर पर हैं। टीम इंडिया के लिए यह साल मिलाजुला रहा जहां उसे आईसीसी टूर्नामेंटों में हार का सामना करना पड़ा वहीं द्विपक्षीय सीरीजों में जीत भी मिली है। भारतीय टीम ने इस साल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के साथ ही अपना अभियान समाप्त किया है। भारतीय टीम ने एशिया कप और टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई पर दोनो में ही उसे हार का सामना करना पड़ा। इन दोनो ही टूर्नामेंटों में हार के बाद भारतीय टीम की कप्तानी में बदलाव की मांग भी होने लगी हैं।

एशियाई तीरंदाजी में भारत को पांच स्वर्ण सहित नौ पदक

शारजाह। यहां हुए एशिया कप तीरंदाजी में भारत के जूनियर तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण पदकों सहित कुल 9 पदक जीते हैं। भारतीय तीरंदाजों ने कंपाउंड वर्ग में आठ में से सात पदक जबकि व्यक्तिगत महिला वर्ग में प्रगति को स्वर्ण अदिति स्वामी को रजत और परत कौर को कांस्य पदक मिला वहीं प्रियांश और ओजस देवताले ने कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किये। वहीं भारतीय कंपाउंड तीरंदाज पुरूष और महिला टीम वर्ग में भी शीर्ष पर रहे जबकि कंपाउंड मिश्रित युगल वर्ग में ही भारत को कोई पदक नहीं मिला। इसमें भारत के ओजस और प्रगति क्वार्टर फाइनल में ही वियतनाम से हार कर बाहर हो गये। वहीं रिकर्व वर्ग में भारत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा भारतीय पुरूष टीम ने मृणाल चौहान और पार्थ सालुंके के अच्छे प्रदर्शन से दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि रिकर्व मिश्रित टीम वर्ग में टिशा पूनिया और सालुंके को रजत पदक मिला।

आजम साल में सबसे अधिक बार पचास से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। आजम ने 50 रनों का आंकड़ा पार करते ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में किसी कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रनों की पारी खेलने का नया विश्व रिकॉर्ड अब आजम के नाम दर्ज हो गया है। बाबर ने इस साल 25 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। वहीं पोंटिंग ने साल 2005 में 24 बार ऐसा किया था। इस तरह से बाबर ने पोंटिंग का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वहीं तीसरे नंबर पर पाक के ही मिसबाह उल हक हैं। मिसबाह ने 2013 में 22 बार ऐसा किया था। वहीं चौथे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 2017 और 2019 दोनों साल में 21-21 बार ऐसा किया था।

टीम के खिलाफ गोल होने पर निराश नहीं हों, अगले स्तर पर जाओः रीड

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने अपने खिलाड़ियों को भावनाओं में बहने के प्रति चेताया है और सलाह दी है कि अगर अगले महीने एफआईएच विश्व कप के दौरान उनके खिलाफ गोल होता है तो वे अपने खेल को अगले स्तर पर लेकर जाएं। रीड का मानना है कि अगर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना है तो सकारात्मक मानसिकता जरूरी है। भारत विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के पहले दिन 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन के खिलाफ करेगा।

लाहौर में 1990 विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य रहे रीड ने कहा, ''जब आप (भारतीय खिलाड़ी) इस स्तर (विश्व कप) के टूर्नामेंट में खेलते हो तो भावनाओं में बह जाते हो। भावनाओं में मत बहो। अगर विरोधी आपसे गेंद छीने या गोल कर दे तो हालात काफी मुश्किल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह जरूरी है कि 'अगली चीज क्या होगी' आप इसकी मानसिकता विकसित करो। जो हो गया आप उसे नहीं बदल सकते तो उस काम पर ध्यान दो जो आपके सामने है, क्या करना है इस पर अपना ध्यान केंद्रित रखो।' विश्व कप 1990 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की तैयारी के बारे मे बताते हुए रीड ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, ''टूर्नामेंट (विश्व कप 1990) से पहले हम छोटे मुकाबले (कम समय के) खेलते थे और चुपचाप खेलते थे, हमें बात करने की स्वीकृति नहीं थी। दर्शकों के शोर की रिकॉर्डिंग लाउडस्पीकर पर बजाई जाती थी और हमने सीखा कि किसी की आवाज पर अधिक ध्यान नहीं देना है बल्कि खिलाड़ी के पलटने या उसकी आंखों में देखकर खेलने का आदी होना है।'

रीड ने कहा कि आधुनिक हॉकी की बेहद प्रतिस्पर्धी प्रकृति को देखते हुए भुवनेश्वर और राउरकेला की संयुक्त मेजबानी में हो रहे विश्व कप के प्रबल दावेदार की भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा, ''किसी टीम को चुनना बेहद मुश्किल है। अगर मैं आज की स्थिति को देखता हूं तो मैं ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और भारत को चुन सकता हूं और कल मैं फिर नीदरलैंड, जर्मनी और भारत के साथ जा सकता हूं।' रीड ने कहा, ''बेशक मैं भारत को शीर्ष तीन में रखूंगा क्योंकि अगर हम अच्छा खेलते हैं तो हमारे पास अच्छा मौका होगा। शीर्ष आठ टीम में से कोई भी विश्व कप जीत सकता है।' विश्व कप 1990 में भारत के खिलाफ मैच को याद करते हुए रीड ने कहा कि उस मैच में उन्होंने जो गोल किया था वह उनके लिए विशेष है।

सीए ने वॉर्न के नाम पर रखा प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने दिवंगत महान क्रिकेटर शेन वॉर्न के सम्मान में अपने प्रतिष्ठित पुरस्कार ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर को वॉर्न के नाम पर रखा है। इस अवॉर्ड को अब वॉर्न टेस्ट प्लेयर ऑफ द इयर के नाम से जाना जाएगा। सीए ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे बॉक्सिंग डे टेस्ट पर ये फैसला किया। वॉर्न ने साल 2006 में एकमात्र बार इस अवॉर्ड को अपने शानदार प्रदर्शन के बाद जीता था। 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में उन्होंने रिकॉर्ड 40 विकेट लिए थे। ये साल वॉर्न के लिए प्रदर्शन के लिहाज से सबसे अच्छा रहा था। वहीं ट्रैविस हेड इस अवॉर्ड को जीतने वाले अंतिम ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी रहे हैं। वहीं साल 2023 में उस्मान ख्वाजा मार्नस लाबुशेन और नाथन लियोन ने यह पुरस्कार हासिल किया था।

साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम साल की शुरुआत मे श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसमें भारतीय टीम की कप्तान हार्दिक पांड्या को मिलने की सभावना है क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा के अंगूठे की चोट अभी ठीक नहीं हुई है। इस सीरीज में लोकेश राहुल नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्होंने निजी कारणों से बीसीसीसी से जनवरी माह के लिए छुट्टी मांगी थी जिसे मंजूर कर लिया गया है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा अभी होनी है। पांड्या ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में कप्तानी की थी। तब पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में जीती थी। इसलिए इस बार भी उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टीम की कमान सौंपी जा सकती है। क्योंकि रोहित शर्मा के अंगूठे में चोट आई है जो अब तक ठीक नहीं हुआ है।

विश्व का नंबर एक टी20 बल्लेबाज होना सपने जैसा लगता हैः सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी सूर्यकुमार यादव को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना अब भी सपने जैसा लगता है, लेकिन वह सीमित ओवरों के प्रारूप तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं और उनकी टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाने दिली तमन्ना है। सूर्यकुमार ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने, अगले साल होने वाले विश्वकप और टेस्ट क्रिकेट खेलने की अपनी तमन्ना को लेकर बात की। सूर्यकुमार से साक्षात्कार के अंश इस प्रकार हैं-

प्रश्नःअगर आज से एक साल पहले कहा जाता कि साल के आखिर में आप टी20 क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज बने रहेंगे, तो क्या आप इस पर विश्वास करते?

उत्तरः यह अब भी सपने जैसा लगता है। अगर साल भर पहले किसी ने मुझे टी20 क्रिकेट का नंबर एक बल्लेबाज कहा होता तो मुझे नहीं पता कि मैं कैसे प्रतिक्रिया करता। जब मैंने इस प्रारूप में खेलना शुरू किया तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और इसके लिए मैंने कड़ी मेहनत की थी।

प्रश्नः अब प्राथमिकता 2023 में होने वाला वनडे विश्व कप होगा, तो क्या आप 50 ओवरों के प्रारूप के लिए अपने खेल में बदलाव करेंगे?

उत्तरः जब मैं किसी प्रारूप में खेल रहा होता हूं तो उसके बारे में बहुत नहीं सोचता, क्योंकि मैं जब भी बल्लेबाजी के लिए जाता हूं तो उसका भरपूर आनंद लेता हूं। मैं यही सोचता हूं कि जब भी मैं क्रीज पर जाऊं तो मैच में पासा पलटने वाला प्रदर्शन करूं। मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है फिर चाहे वह टी20, वनडे या रणजी ट्रॉफी कुछ भी हो।

प्रश्नः क्या आपको ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद है?

उत्तरः मैंने लाल गेंद से आयु वर्ग के राष्ट्रीय स्तर पर खेलना शुरू किया, इसलिए इसका उत्तर इसी में निहित है। पांच दिवसीय मैचों में आपके सामने पेचीदा लेकिन रोमांचक परिस्थितियां होती हैं और आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं। हां, यदि मुझे मौका मिलता है तो मैं तैयार हूं।''

प्रश्नः कौशल सीखा जा सकता है लेकिन किसी खिलाड़ी को उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक रूप से कैसे तैयार करना चाहिए?

उत्तरः मैं यही कहूंगा कि यह कभी असंभव नहीं होता है लेकिन निश्चित तौर पर मुश्किल होता है। इसके लिए आपका रवैया अच्छा होना चाहिए। मैं अधिक अभ्यास करने के बजाय बेहतर अभ्यास करने पर ध्यान देता हूं। मैंने और मेरे परिवार ने काफी बलिदान दिए हैं। भारत की तरफ से पदार्पण करने से पहले मैं 10 साल तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलता रहा हूं।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आपको काफी चीजें सीखने को मिलती हैं और इसलिए जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं और भिन्न तरह के गेंदबाजों का सामना करते हैं तो फिर आपको केवल खुद को अभिव्यक्त करने की जरूरत होती है।

प्रश्नः पिछले कुछ वर्षों से घरेलू स्तर पर और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में चयन नहीं होने पर क्या आपको निराशा होती थी या गुस्सा आता था?

उत्तरः मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं खीझ जाता था लेकिन हमेशा मैं यह सोचता था कि अगले स्तर पर जाने के लिए अलग से क्या करना होगा। इसलिए मैंने कड़ी मेहनत करना जारी रखा और आपको इसके साथ ही अपने खेल का भी आनंद लेना होता है। आप इसीलिए क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं।

मैं जानता था कि अगर मैं परिणाम पर ध्यान न दूं और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करूं तो मैं किसी दिन राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहूंगा।

प्रश्नः क्या आप हमें अपनी 360 डिग्री तकनीक के बारे में कुछ बता सकते हैं?

उत्तरः यह दिलचस्प कहानी है। मेरे स्कूल और कॉलेज के दिनों में मैंने रबड़ की गेंद से काफी क्रिकेट खेली। सीमेंट की कड़ी पिचों पर और बारिश के दिनों में 15 गज की दूरी से की गई गेंद तेजी से आती थी तथा यदि लेग साइड की बाउंड्री 95 गज होती थी तो ऑफ साइड की 25 से 30 गज ही होती थी। इसलिए ऑफ साइड की बाउंड्री बचाने के लिए अधिकतर गेंदबाज मेरे शरीर को निशाना बनाकर गेंदबाजी करते थे। ऐसे में मैंने कलाइयों का इस्तेमाल करना, पुल करना और अपर कट लगाना सीखा। मैंने नेट पर कभी इसका अभ्यास नहीं किया।

प्रश्नः विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ आपके संबंध कैसे हैं?

उत्तरः मैं वास्तव में बेहद भाग्यशाली हूं जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेल रहा हूं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज सितारे हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है मैं नहीं जानता कि कभी मैं उसे हासिल कर पाऊंगा या नहीं। हाल में मैंने विराट भाई के साथ कुछ अच्छी साझेदारियां निभाई और मैंने उनके साथ बल्लेबाजी करने का आनंद लिया।

प्रश्नः क्या आप अपने करियर में मुंबई इंडियंस और आपकी पत्नी देवीशा के योगदान के बारे में बताएंगे?

उत्तरः मेरी जिंदगी और क्रिकेट यात्रा में दो स्तंभ हैं - मुंबई इंडियंस और मेरी पत्नी देवीशा। पहले मैं

मुंबई इंडियंस के योगदान पर बात करूंगा। जब मैं 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स को छोड़कर यहां आया था तो मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के मौके पर ध्यान दे रहा था और मेरे कहे बिना ही टीम प्रबंधन ने मुझ पर भरोसा दिखा कर मुझे यह जिम्मेदारी सौंप दी थी। मैंने 2016 में देवीशा से शादी की और जब मैं मुंबई इंडियन से जुड़ा तो हम दोनों ने अगले स्तर पर जाने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे में सोचना शुरू किया। मुझे जब भी उनकी जरूरत पड़ी तो वह मेरे साथ खड़ी रही। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं जिस तरह का संतुलन चाहता था देवीशा ने मुझे वह मुहैया कराया।

'वीर बाल दिवस' हमें भारत की पहचान बताएगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली में 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम साहिबजादों की कुर्बानी को समर्पित है। इस मौके पर पीएम मोदी ने वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मैं अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं कि उसे आज 26 दिसंबर के दिन को 'वीर बाल दिवस' के तौर पर घोषित करने का मौका मिला।

पीएम ने कहा कि 'वीर बाल दिवस' हमें याद दिलाएगा कि दस गुरुओं का योगदान क्या है, देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा का बलिदान क्या है। 'वीर बाल दिवस' हमें बताएगा कि- भारत क्या है, भारत की पहचान क्या है।

पीएम मोदी ने भारत के इतिहास में वीरता और पराक्रम का जिक्र करते हुए कहा, 'इतिहास से लेकर किंवदंतियों तक, हर क्रूर चेहरे के सामने महानायकों और महानायिकाओं के भी एक से एक महान चरित्र रहे हैं। लेकिन ये भी सच है कि, चमकौर और सरहिंद के युद्ध में जो कुछ हुआ, वो भूतो न भविष्यति' था।

पीएम मोगी ने मुगलकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एक ओर धार्मिक कट्टरता में अंधी इतनी बड़ी मुगल सल्तनत, दूसरी ओर, ज्ञान और तपस्या में तपे हुए हमारे गुरु, भारत के प्राचीन मानवीय मूल्यों को जीने वाली परंपरा! एक ओर आतंक की पराकाष्ठा, तो दूसरी ओर आध्यात्म का शीर्ष! एक ओर मजहबी उन्माद, तो दूसरी ओर सबमें ईश्वर देखने वाली उदारता! इस सबके बीच, एक ओर लाखों की फौज, और दूसरी ओर अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु के वीर साहिबजादे! ये वीर साहिबजादे किसी धमकी से डरे नहीं, किसी के सामने झुके नहीं।

मोदी ने कहा, 'उस दौर की कल्पना करिए! औरंगजेब के आतंक के खिलाफ, भारत को बदलने के उसके मंसूबों के खिलाफ, गुरु गोविंद सिंह जी पहाड़ की तरह खड़े थे। लेकिन, जोरावर सिंह साहब और फतेह सिंह साहब जैसे कम उम्र के बालकों से औरंगजेब और उसकी सल्तनत की क्या दुश्मनी हो सकती थी? दो निर्दोष बालकों को दीवार में जिंदा चुनवाने जैसी दरिंदगी क्यों की गई? वो इसलिए, क्योंकि औरंगजेब और उसके लोग गुरु गोविंद सिंह के बच्चों का धर्म तलवार के दम पर बदलना चाहते थे। लेकिन, भारत के वो बेटे, वो वीर बालक, मौत से भी नहीं घबराए। वो दीवार में जिंदा चुन गए, लेकिन उन्होंने उन आततायी मंसूबों को हमेशा के लिए दफन कर दिया। साहिबजादों ने इतना बड़ा बलिदान और त्याग किया, अपना जीवन न्यौछावर कर दिया, लेकिन इतनी बड़ी 'शौर्यगाथा' को भुला दिया गया। लेकिन अब 'नया भारत' दशकों पहले हुई एक पुरानी भूल को सुधार रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगर हमें भारत को भविष्य में सफलता के शिखरों तक लेकर जाना है, तो हमें अतीत के संकुचित नजरियों से भी आज़ाद होना होगा। इसलिए, आजादी के 'अमृतकाल' में देश ने 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति' का प्राण फूंका है। हम आजादी के 'अमृत महोत्सव' में देश के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। स्वाधीनता सेनानियों, वीरांगनाओं, आदिवासी समाज के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम में शामिल होने आए युवक ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि आजादी के 75 साल बाद ऐसा प्रधानमंत्री आया है, जिसने 'साहिबजादों' की कुर्बानी का सम्मान किया है।

कार्यक्रम में एक स्थानीय निवासी ने कहा कि 'साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी के बलिदान को आज सम्मानित किया जा रहा है। अगले साल से इस दिन छुट्टी घोषित की जानी चाहिए।

इससे पहले मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस दिन को साहिबजादों की कुर्बानी को समर्पित किया। इसे पूरे देश में दिखाया जा रहा है। विभिन्न राज्यों में लोग उनके बारे में जान रहे हैं। इसकी हमें उम्मीद नहीं थी। आज नया इतिहास रचा जा रहा है।

कश्मीर में हो रही हत्याओं पर बोले मनोज सिन्हा, इसे धर्म के आधार पर देखना बंद करें

श्रीनगर, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर में हो रही टार्गेट किलिंग पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इसे धर्म के आधार पर देखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये सच्चाई है कि घाटी में कश्मीरी पंडितों की लक्षित हत्याएं हुई हैं, लेकिन अन्य धर्म के लोग भी मारे गए हैं इसलिए इसे धर्म के आधार पर नहीं देखना चाहिए।

उन्होंने शुक्रवार को आइडिया एक्सचेंज में कहा, मैं कहना चाहता हूं कि कश्मीर घाटी के लोग भी मारे गए हैं। सेब के मौसम में बिहार, ओडिशा, झारखंड से भी मजदूर आते हैं दो-तीन घटनाएं हुईं, लेकिन एक (झूठी) कहानी फैलाई गई।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है। कोई भी किसी राज्य में जाकर काम कर सकता है। कुछ लोग दूसरे राज्यों से यहां मजदूरी के लिए आते हैं और कश्मीर के लोग इसकी सराहना करते हैं और मानते हैं कि जम्मू-कश्मीर के विकास में उनकी (मजदूर) भूमिका है। हालांकि, कुछ लोग हैं, जो इन्हें बाहर का मानते हैं, लेकिन हमें उसमें नहीं जाना चाहिए। हम उनका (प्रवासियों का) ख्याल भी रखते हैं उनके बीमा के लिए जोर देते हैं। सेब के मौसम के दौरान, उनकी सुरक्षा, वित्तीय और सामाजिक के संबंध में हमें दिशा-निर्देश भी मिले थे।

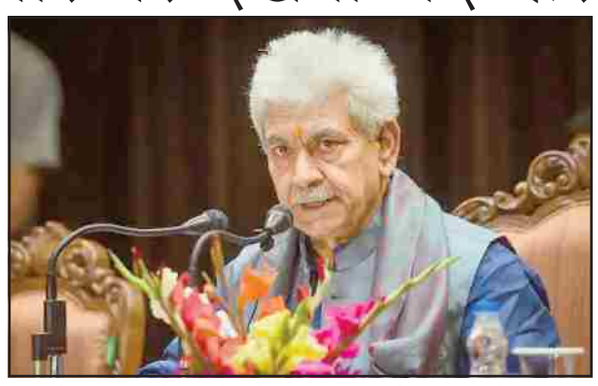

कश्मीरी पंडितों पर एलजी ने कहा, केंद्र सरकार ने पुनर्वास नीति की घोषणा की थी। इसके पहले चरण में 3,000 नौकरियां और 3,000 घर शामिल थे। दूसरे चरण में भी वही। कुल 6,000 घर बनाए जाने थे, लेकिन लगभग 700 घर ही पूरे हुए। (जब मैं वहां अगस्त 2020 में पहुंचा), दूसरे चरण के प्रस्तावित पदों को नहीं भरा गया और पहले चरण की भी कुछ रिक्तियां बाकी थीं। इन रिक्तियों को स्वेच्छा से कुछ तकनीकी दिक्कतों का हवाला देकर खाली रखा गया था। आज मैं कह सकता हूं कि 134 पदों को छोड़कर सभी पद भरे जा चुके हैं। सिन्हा ने 7 अगस्त, 2020 को उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली थी।

पूसी रेल ने मनाया 'वीर बाल दिवस'

मालीगांव, 26 दिसम्बर । भारत के प्रधानमंत्री के आह्वान पर, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्यारे बेटों की अतुलनीय बलिदान को याद करने के लिए 26 दिसंबर, 2022 को 'वीर बाल दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम पूसी रेल मुख्यालय परिसर के डॉ भूपेन हाजरिका सभा गृह में आयोजित किया गया था। पूसी रेल के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री गुरु गोबिंद सिंह के बेटों साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के चित्र के समक्ष दीप जलाया और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूसी रेल मुख्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण और विभिन्न संघों एवं यूनियनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

'वीर बाल दिवस' सिख आध्यात्मिक गुरु गोबिंद सिंह के चार 'साहिबजादों' के साहस को श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जा रहा है, जिन्होंने 17 वीं शताब्दी में शहादत प्राप्त की थी, विशेष रूप से उनके बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह, जिन्हें कथित तौर पर मुगलों ने मार डाला था। इस अवसर पर पूसी रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता ने दो युवा साहिबजादों के बारे में उल्लेख किया, जिन्होंने काफी कम उम्र में अपने जीवन का बलिदान दिया, अपनी मान्यताओं के लिए खड़े हुए और सिख धर्म की गरिमा को ऊंचा रखा। महाप्रबंधक ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस का स्मरणोत्सव इसलिए भी मनाया जा रहा है क्योंकि देश आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है।

अमिल शाह ने उड़ाया आप का मजाक, कहा- दावे बड़े लेकिन चुनाव में धुल गए

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने संदेश दिया है कि गुजरात भाजपा का गढ़ रहा है और रहेगा। अमित शाह ने ऐतिहासिक जीत के लिए मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देने के लिए सूरत में एक समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया है।

अमित शाह ने कहा कि बीजेपी के लिए भी उस रिकॉर्ड को तोड़ना बहुत मुश्किल होगा। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आप) का मज़ाक बनाते हुए कहा कि नई पार्टियां ने चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन नतीजों के बाद उनका सफाया हो गया।

गृह अमित शाह ने इस दौरान कहा कि इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल और पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को जाता है। अमित शाह ने कहा कि गुजरात में बीजेपी 1998 से लगातार सत्ता में है। नरेंद्र मोदी सरकार ने विकास को प्रत्येक नागरिक के घर तक पहुंचाया है। हमने हर पहलू को साफ रखा है । भाजपा सरकारों के इतने लंबे कार्यकाल में हमारे विरोधी भी एक भी घोटाले का आरोप नहीं लगा पाए हैं। इस समारोह में पाटिल, गुजरात भाजपा के आयोजन सचिव रत्नाकर, निर्वाचित और पूर्व पार्टी विधायक और पार्टी के कई पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।

अमित शाह ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में कई नई पार्टियां आईं, अलग-अलग दावे और गारंटी के वादे किए , लेकिन नतीजों के बाद इन सभी पार्टियों का सफाया हो गया। नतीजों ने दिखाया कि गुजरात के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी का स्वागत करने के लिए तैयार थे। जीत ने देश को एक मजबूत संदेश दिया है कि गुजरात क्षेत्र भाजपा का गढ़ था और रहेगा।

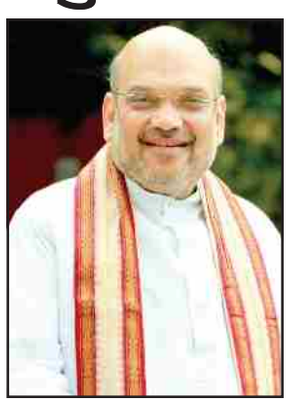

अमित शाह ने इस दौरान कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव में यह जीत देश भर के कार्यकर्ताओं के लिए उत्साह, प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत है। इस जीत से पूरी राजनीतिक तस्वीर बदल जाएगी और नतीजों का 2024 के लोकसभा चुनाव पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

परीक्षा में नकल करने वाले छात्रों को बख्शा नहीं जाना चाहिए : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि परीक्षा में नकल जैसा कदाचार करने वाले छात्रों के साथ कोई नरमी नहीं दिखानी चाहिए, बल्कि उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए और उनके साथ सख्ती से पेश आना चाहिए।

'छात्र, जो अनुचित साधनों का सहारा लेते हैं और इससे दूर हो जाते हैं, इस राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकते। उनके साथ नरमी से पेश नहीं किया जा सकता है और उन्हें अपने जीवन में अनुचित साधनों को नहीं अपनाने का सबक सीखने के लिए बनाया जाना चाहिए'।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि उन्होंने यह भी देखा कि विश्वविद्यालय धोखेबाजों को निष्कासित करने के बजाय चतुर्थ श्रेणी की सजा देने में उदार रहा है।

खंडपीठ ने इंजीनियरिंग के छात्र योगेश परिहार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसने दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा रद्द करने के आदेश को चुनौती दी थी।

इससे पहले हाईकोर्ट के सिंगल जज ने डीटीयू के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया था।

परिहार को चतुर्थ श्रेणी के तहत दंडित किया गया था और डीटीयू के कुलपति (वीसी) ने परीक्षा में लिखने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। तीसरे सेमेस्टर के लिए उनका पंजीकरण भी रद्द कर दिया गया था और उन्हें दूसरे सेमेस्टर के लिए फिर से अपना पंजीकरण कराने को कहा गया था।

डीटीयू ने अदालत को बताया कि एक अन्य छात्र के पास मोबाइल फोन मिला है। आगे की जांच के बाद यह पाया गया कि परिहार सहित 22 छात्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप है, जिसे 'एन्स' कहा जाता है। उनके बीच प्रश्नपत्र और जवाब प्रसारित किए जा रहे थे।

अदालत ने कहा कि वीसी के फैसले में उनकी दलीलों और प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार किसी हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

खंडपीठ ने कहा, 'यह अदालत भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए और निर्णय लेने की प्रक्रिया को देखने के बाद पाया कि नीचे के अधिकारियों द्वारा दिया गया तर्क इतना मनमाना है कि कोई भी विवेकशील व्यक्ति इस तरह के निष्कर्ष पर नहीं पहुंचेगा।'

खंडपीठ ने कहा कि कॉलेज के अधिकारियों के फैसले और विद्वान एकल न्यायाधीश के आदेश में इस अदालत से किसी भी तरह के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

अदालत ने कहा कि इन छात्रों के लिए इस तरह की प्रथाओं में लिप्त होना काफी अनुचित है, क्योंकि इससे उन्हें उन छात्रों के खिलाफ अनुचित लाभ मिलता है, जिन्होंने अपनी परीक्षा देने के लिए कड़ी मेहनत की होगी।

सिख गुरुओं का बलिदान व त्याग प्रेरणा देता है : सीएम योगी

लखनऊ, 26 दिसम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरुओं का बलिदान व त्याग हमें प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह ने अपने चार साहिबजादों को भारत की संस्कृति व धर्म की रक्षा के लिए बलिदान कर दिया। यह दिन गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह, जुझार सिंह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है।

यह बातें सीएम ने 5, कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर ऐतिहासिक समागम में कही। सीएम ने संगत व आगंतुकों को अंगवस्त्र प्रदान किया और पुस्तक का विमोचन किया।

सीएम ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) घोषित करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस अवसर पर मुख्यमंत्री आवास आने वालों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप का पूजन व स्वागत किया।

सीएम ने कहा कि माता गुजरी ने अंतिम समय तक रक्षा का दायित्व निभाते-निभाते खुद को परमात्मा में लीन कर दिया। जब गुरु गोविंद सिंह महाराज से पूछा गया कि आपके चार पुत्र धर्म की रक्षा करते हुए हिंदुस्तान के लिए शहीद हो गए। तब भी उनके मुख से यही निकला कि चार मुए तो क्या भया, जीवित कई हजार। यानी परिवार नहीं, देश-समाज व धर्म के लिए जिनका पूरा जीवन समर्पित था। उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला होता है। इस क्रम में बाल दिवस के कार्यक्रम की यह श्रृंखला इतिहास से जोड़ती है। भक्ति से शक्ति प्रदान कर रही सिख गुरुओं के प्रति शीश नमन करने का अवसर प्रदान करती है।

सीएम ने कहा कि धर्म के लिए बलिदान देने की उत्कृष्ट परंपरा को भी नमन करता हूं। प्रसन्नता है कि भारत के गौरवशाली इतिहास को पुस्तक में सचित्र उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ हो गया है। मैंने विगत वर्ष भी अनुरोध किया था कि यदि हम बताएंगे नहीं तो लोग भूल जाएंगे कि यह साहिबजादे कौन थे। इनकी क्या आयु थी। मां गुजरी के सानिध्य में बचपन से मिले यह संस्कार बताते हैं कि धर्म के पथ का अनुसरण करना है। दो पुत्र युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त होते हैं। बाबा जोरावर व फतेह सिंह दीवारों में चुन दिए जाते हैं, लेकिन उफ तक नहीं करते। वही बलिदान की प्रेरणा हमें भी विपरीत परिस्थितियों में जूझने की शक्ति देते हैं। जब भी हिंदुस्तान पर संकट आया है। पश्चिम से आने वाले हमले को रोकने के लिए पंजाब सदा दीवार बनकर खड़ा होता रहा है।

सीएम ने कहा कि तवांग की घटना (9 दिसंबर) को देख रहा था। पूछा कि भारतीय सेना चीन पर कैसे हावी हुई तो बताया गया कि सिख रेजिमेंट के एक-एक जवान दो-दो चीनी जवानों को दबाकर तुड़ाई करते थे, फिर भेजते थे। यह है शौर्य। इस परंपरा को हर स्तर पर बढ़ाने के लिए सामूहिक योगदान देना चाहिए। यह परंपरा व पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर प्राप्त होता है।

लखनऊ व गोरखपुर के गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के पदाधिकारियों का आभार करता हूं कि वे बाल दिवस पर इस कार्यक्रम के लिए बार-बार आग्रह करते रहे। जो कार्यक्रम यहां शुरू किया, उसकी गूंज दुनिया के सामने है। आज पीएम ने दिल्ली में इस आयोजन का शुभारंभ किया। देश-दुनिया में होड़ लगेगी कि बाल दिवस का वास्तविक आयोजन कौन होगा तो यह साहिबजादों के बलिदान का दिन होगा। यही वास्तविक इतिहास है।

सीएम ने कहा कि अहियागंज गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर व गुरु गोविंद सिंह से जुड़ा है। संस्कृति विभाग से कहा है कि गुरु परंपरा से जुड़े गुरुद्वारों को चिह्नित करें। कनेक्टिविटी, उसके आसपास सुंदरीकरण को लेकर ठोस कार्ययोजना बनानी चाहिए। नगर निगम ने पार्क की स्थापना के लिए जो कार्य किए हैं। उससे जुड़ी समस्याएं सरदार बलदेव सिंह औलख, परविंदर सिंह को बताएं। वे शासन के संज्ञान में लाएंगे। गुरु परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करने, साहिबजादों को सम्मान देने के लिए कोई भी चीज बाधा नहीं बन सकती। प्रदेश सरकार व जनता की ओर से साहिबजादा दिवस के अवसर पर गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्रों को नमन करता हूं। सीएम ने आश्वस्त किया कि सरकार आपके हितों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है और करती रहेगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, गिरीश चंद यादव (राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार), राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महापौर संयुक्ता भाटिया, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा आदि की मौजूदगी रही।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
कोलकाता निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **89E 26832** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। ''महज कुछ रुपए खर्च कर के ही डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतना वाकई में बहुत अच्छा है। मैंने अपनी खरीदी टिकट पर एक करोड़ रुपए जीते हैं। इसने मुझे बेहद खुशी प्रदान करने के साथ ही आर्थिक प्रोत्साहन भी दिया है। मैं इस विशाल राशि का उपयोग हमारे जीवन को बेहतर बनाने में करूंगा।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाये जाते हैं।

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री अनिल कुमार दास ने **14.11.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक

डियर साप्ताहिक लॉटरी
पूर्व बर्धमान निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **38E 28285** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज़ क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि, जिसे मैंने डियर लॉटरी से जीती है, के साथ मेरी लाइफ स्टाइल बदल जाएगी। मुझे एक करोड़पति के रुप में देख कर मेरे परिवार के सदस्य काफी आह्लादित हैं। मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति अपना पूरा आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।" विजेता ने कहा।

पूर्व बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री अब्बास उद्दीन शेख ने **13.11.2022** को सम्पन्न हुए डियर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com